



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 5]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 31 जनवरी 2014-माघ 11, शके 1935

भाग 3 (1)

विज्ञापन

अन्य सूचनाएं

जाहिर सूचना

मैं, श्रीमती शशिकला सोनकर पत्नी स्व. श्री राजाराम सोनकर, निवासी—राजीव गांधी वार्ड बीना, तहसील बीना, जिला सागर (म. प्र.) शपथ पूर्वक निम्न कथन करती हूँ :—

1. यहकि मैं, मे. रामचरण एण्ड संस, बीना जंक्शन की भागीदारी क्र. 4 हूँ.
2. यहकि उपरोक्त फर्म के दो भागीदार श्रीमती राजकुमार पत्नी स्व. श्री दुर्गाप्रसाद सोनकर एवं श्री बद्रीप्रसाद सोनकर पिता स्व. श्री रामचरण सोनकर का स्वर्गवास होने से उनके पुत्र क्रमशः दिनेश सोनकर तथा कैलाश सोनकर को उपरोक्त भागीदारी फर्म में भागीदार बनाया जा रहा है.
3. यहकि, उपरोक्त भागीदारी की नियुक्ति हेतु मैंने इस समाचार-पत्र के माध्यम से सर्व-साधारण को अपनी आपत्ति 07 दिवस के अन्दर दर्ज कराने हेतु दिये गये विज्ञापन का सम्पूर्ण कथन सही व सत्य है. इसमें किसी भी प्रकार की असत्यता नहीं है.
4. यहकि इस बावत भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई विधिक आपत्ति आती है तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की रहेगी. अतः शपथ पेश है.

(547-बी.)

शशिकला सोनकर,
मेसर्स रामचरण एण्ड संस,
फ्रूट लाइसेन्सी,
बीना जंक्शन (प. म. रे.)

आम सूचना

आम जनता एवं समस्त शासकीय एवं अर्द्धशासकीय संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स एस.के. कंस्ट्रक्शन कंपनी, जो कि इण्डियन पार्टनरशिप एक्ट के अन्तर्गत रजिस्टर्ड फर्म है, उक्त फर्म की डीड वर्ष 1983 में बनाई गई थी, जिसमें दो पार्टनर श्री सुनील कुमार गर्ग पिता श्री एच. के. गर्ग एवं श्री दशरथ लाल पिता श्री चमरूलाल बरमिया थे जिनका पता आजाद चौक, छिंदवाड़ा (म. प्र.). दिनांक 01-04-1998 को फर्म की डीड में हुए संशोधन अनुसार श्री दशरथ लाल बरमिया को फर्म से अलग कर उनके स्थान पर श्री सुनील कुमार गर्ग एवं श्री संजीव कुमार गर्ग एवं सौरभ गर्ग तीनों के पिता स्व. श्री एच. के. गर्ग एवं श्रीमती मोहिनी गर्ग पति स्व. श्री एच. के. गर्ग सभी का पता 148, ए.पी.आर. कॉलोनी, कटंगा, जबलपुर को भागीदार बनाया गया था. फर्म के भागीदार श्रीमती मोहिनी गर्ग पति स्व. श्री एच. के. गर्ग के असमय निधन हो जाने के बाद

दिनांक 01-04-2003 को नई पार्टनरशिप गठित की गई थी, जिसमें श्री सुनील कुमार गर्ग एवं श्री संजीव कुमार गर्ग एवं सौरभ गर्ग तीनों के पिता स्व. श्री एच. के. गर्ग रहे, इसके अतिरिक्त दिनांक 01-04-2005 को पुनः संशोधन करते हुए श्री सुनील कुमार गर्ग (एच.यू.एफ.) कर्ता श्री सुनील कुमार गर्ग एवं श्री संजीव कुमार गर्ग (एच.यू.एफ.) कर्ता श्री संजीव कुमार गर्ग एवं सौरभ गर्ग (एच.यू.एफ.) कर्ता सौरभ गर्ग पार्टनर बनाये गये थे। इस तरह फर्म में कुल 06 पार्टनर रहे। फर्म में दिनांक 01-04-2008 को पुनः संशोधन करते हुए श्रीमती शिखा गर्ग पति श्री सुनील कुमार गर्ग एवं श्रीमती अर्चना गर्ग पति श्री संजीव कुमार गर्ग एवं श्रीमती श्वेता गर्ग पति श्री सौरभ गर्ग तीनों निवासी 148, ए.पी.आर. कॉलोनी, कटंगा, जबलपुर को पार्टनर बनाया गया है। इस तरह मेसर्स एस. के. कंस्ट्रक्शन कम्पनी के पार्टनरशिप डीड में दिनांक 01-04-2008 के बाद से आज तक कुल 09 भागीदार यथावत हैं, किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, जिसके बाबत इस आज सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है।

संजीव कुमार गर्ग,

भागीदार,

मेसर्स एस. के. कंस्ट्रक्शन कम्पनी,

148, ए.पी.आर. कॉलोनी, कटंगा, जबलपुर (म. प्र.)

(545-बी.)

Public Notice

This is to inform public at large that our firm M/s Shree Sai Industries situated at Shop no 3, Bengali Club Market, Karamchand Chowk, Jabalpur is a partnership firm registered vide regd no. 04/14/01/00029/12/2012-13 with Registrar of Firms and Societies, Jabalpur. Through an amendment in the partnership deed on 01.10.2012, Sarita Singh W/o Late Shri Shankar Singh, R/o 23, Samajbhushan Society, Wardha Road, Nagpur, had tendered retirement and Priyanka Sharma W/o Nitin Sharma, R/o 765, Napier Town, Jabalpur and Nitin Sharma S/o Late Ravindra Sharma, R/o 765, Napier Town, Jabalpur joined the firm as partner and in further amendment in the partnership deed on 15.10.2012, Anisha Singh W/o Shri Vijay Pratap Singh and Master Aditya Singh, R/o Tapovan Complex, Jaiprakash Nagar, Khamla, Nagpur(M.S) had tendered retirement. Outgoing partners Sarita Singh, Anisha Singh and Master Aditya Singh had tendered retirement leaving their rights to be exercised under various capacities as Partners of the firm. For the necessary amendments they have submitted form V required for Amendment in the Registrar Firms and Societies, Jabalpur.

Henceforth, from this date in Registrar Firms and Societies, Jabalpur and other relevant document, the name of the Continuing Partner of the Firm M/S Shree Sai Industries, Shop no. 3, Bengali Club Market, Karamchand Chowk, Jabalpur would be recorded as Smt Priyanka Sharma and Nitin Sharma.

For Shree Sai Industries,

(Partner)

Priyanka Sharma W/o Nitin Sharma,
Nitin Sharma S/o Late Ravindra Sharma,
R/o 765, Napier Town, Jabalpur.

(551-B.)

CHANGE OF NAME

I Monty Pahuja here by declare that I have change my Name as Mayank Pahuja S/o Kishore Kumar Pahuja. So, from now and in future. I will be known by my new name.

Old Name :

(MONTY PAHUJA)

New Name :

(MAYANK PAHUJA)

S/o Kishore Kumar Pahuja,
Add : 363, Sadhu Waswani Nagar,
Indore (M.P.).

(537-B.)

नाम परिवर्तन

हमने हमारी पुत्री फातेमा का नाम बदलकर फातेमा लोहावाला कर लिया है। अतः अब से हमारी पुत्री को इसी नाम से जाना जावे।

माता—हिना यासमीन लोहावाला

पिता—अख्तर हुसैन लोहावाला

पता—372-373, खातीवाला टैंक,

बादशाह एम्पायर, इन्दौर (म. प्र.)

(538-बी.)

नाम परिवर्तन

सूचित किया जाता है कि मैं, राकेश आर्य पुत्र श्री मदन लाल आर्य, निवासी जहाँगीर कटरा, फोर्ट रोड, ग्वालियर प्रारम्भ से अपना नाम राकेश आर्य लिखता था, जो कि मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में भी अंकित है, वर्तमान में अपना नाम पंकज श्रीमंत पुत्र श्री मदन लाल आर्य लिखना आरम्भ कर दिया है. अतः भविष्य में भी मुझे मेरे नाम राकेश आर्य के स्थान पर पंकज श्रीमंत के नाम से ही जाना जावे एवं पढ़ा जावे.

पुराना नाम :

(राकेश आर्य)

(539-बी.)

नया नाम :

(पंकज श्रीमंत)

नाम परिवर्तन

सूचित किया जाता है कि मैं, इतेन्द्र यादव पुत्र श्री विक्रम सिंह यादव, निवासी न्यू नर्सिंग नगर, चार शहर का नाका, ग्वालियर प्रारम्भ से अपना नाम इतेन्द्र यादव लिखता था, जो कि मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में अंकित है, वर्तमान में अपना नाम देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री विक्रम सिंह यादव लिखना आरम्भ कर दिया है. अतः भविष्य में भी मुझे मेरे नाम इतेन्द्र यादव के स्थान पर देवेन्द्र सिंह के नाम से ही जाना जावे एवं पढ़ा जावे.

पुराना नाम :

(इतेन्द्र यादव)

(540-बी.)

नया नाम :

(देवेन्द्र सिंह)

नाम परिवर्तन

मैं, कुमारी सीपी खरे, पुत्री श्री प्रकाश खरे/श्रीमती ममता खरे, आयु लगभग 20 वर्ष, वर्तमान निवासी—ई-102/31, शिवाजी नगर, भोपाल एतद्द्वारा घोषित करती हूँ कि आज से मेरा नाम परिवर्तित माना जाकर अब कुमारी सीपी खरे के स्थान पर कुमारी जयति खरे समझा व माना जावे और इस प्रकाशन के बाद इस नाम परिवर्तन की सूचना भी यथावत सभी संबंधित को भी पृथक् से भेजी जायेगी. यह नाम परिवर्तन मैं अपनी स्वेच्छा से कर रही हूँ.

पुराना नाम :

(सीपी खरे)

(541-बी.)

नया नाम :

(जयति खरे)

उप-नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम शादी के पहले कु. अनुपमा पुरोहित (KU. ANUPAMA PUROHIT) था. शादी के बाद मेरा नाम श्रीमती डॉ. अनुपमा तिवारी (SMT. DR. ANUPAMA TIWARI) हो गया है. अब से मुझे इसी नाम से जाना जाय.

पुराना नाम :

(अनुपमा पुरोहित)
(ANUPAMA PUROHIT)

(542-बी.)

नया नाम :

(अनुपमा तिवारी)
(ANUPAMA TIWARI)
पता—ग्राम डोलरिया,
जिला—होशंगाबाद (मध्यप्रदेश).**नाम परिवर्तन**

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम जगदीश प्रसाद जाटव पुत्र श्री हीरालाल जाटव था, अब मैंने अपना नाम परिवर्तन कर जगदीश प्रसाद रख लिया है. अब मुझे भविष्य में मेरे नये नाम जगदीश प्रसाद के नाम से जाना एवं पहचाना जावे.

पुराना नाम :

(जगदीश प्रसाद जाटव)

(543-बी.)

नया नाम :

(जगदीश प्रसाद)
ग्राम—किलोरच,
तहसील व जिला श्योपुर (मध्यप्रदेश).

नाम-परिवर्तन

मैं, कैलाश शुक्ला स्व. श्री रामचन्द्र शुक्ला, निवासी—विवेकानंद कॉलोनी, डालडा फैक्ट्री रोड, बारापत्थर, सिवनी (म. प्र.). यह कि मेरी पुत्री का नाम स्नेहा शुक्ला है जबकि उसके पूर्व के समस्त शासकीय व अर्द्धशासकीय अभिलेखों में रानू शुक्ला नाम अंकित है. यह कि मेरी पुत्री का नाम रानू शुक्ला के स्थान पर स्नेहा शुक्ला रखा गया है.

(544-बी.)

कैलाश कुमार शुक्ला

बारापत्थर, सिवनी (म. प्र.)

नाम परिवर्तन

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि भगवती गर्ग पुत्र श्री देवेन्द्र सिंह गर्ग का उसकी हाईस्कूल की अंकसूची में भगवती सिंह तथा ईण्टर स्कूल की अंकसूची में नाम भगवती सिंह गर्ग तथा अन्य दस्तावेजों में भगवती अंकित है. तदुपरांत उसकी समस्त अंकसूचियों में उसका नाम "भगवती गर्ग" है एवं वह इसी नाम "भगवती गर्ग" से जाना, पहचाना जाता है तथा वर्तमान एवं भविष्य में भगवती गर्ग के नाम से ही जाना जाएगा जो कि कानूनी रूप से मान्य रहेगा.

पुराना नाम :

(भगवती सिंह/भगवती सिंह गर्ग/
भगवती)

(546-बी.)

नया नाम :

(भगवती गर्ग)

पुत्र श्री देवेन्द्र सिंह गर्ग,
पुराना हाथी खाना, मुरार,
कैंट, ग्वालियर (म.प्र.).**नाम परिवर्तन**

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम रेनू इन्दोरिया पुत्री श्री सत्यनारायण इन्दोरिया था. विवाह हो जाने के बाद मेरा नाम श्रीमती रेनू सिंह पत्नी श्री भानुप्रताप सिंह हो गया है.

अतः अब मुझे रेनू सिंह के नाम से समस्त शासकीय/अशासकीय अभिलेखों में जाना व पहचाना जावे.

पुराना नाम :

(रेनू इन्दोरिया)

पुत्री श्री सत्यनारायण इन्दोरिया

(548-बी.)

नया नाम :

(रेनू सिंह)

पत्नी श्री भानुप्रताप सिंह,
91/बी, आनन्द नगर, बहोड़ापुर, ग्वालियर**नाम परिवर्तन**

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम कुमारी ऊषा कांटे था. जो शादी के बाद बदलकर मेरा नाम श्रीमती रेखा खानविलकर हो गया है. अतः अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये.

पुराना नाम :

(ऊषा कांटे)

पुत्री श्री रामचन्द्रराव कांटे

(549-बी.)

नया नाम :

(रेखा खानविलकर)

पत्नी श्री बसंतराव खानविलकर,
ट्रांसपोर्ट नगर, लक्ष्मीपुरम, ए. बी. रोड,
बहोड़ापुर, लशकर, ग्वालियर (म.प्र.).**उप-नाम परिवर्तन**

मैं, कमल कुमार शाह पिता स्व. श्री कान्तिलाल शाह ने अपना नाम परिवर्तन कर कमल कुमार शेट कर लिया. अब से मुझे इसी नाम से जाना, पहचाना जावे.

पुराना नाम :

(कमल कुमार शाह)

(550-बी.)

नया नाम :

(कमल कुमार शेट)

7/3, शीलनाथ केम्प, स्वदेशी मिल के पास,
इन्दौर (म.प्र.).

विविध

आयुक्तों तथा जिलाध्यक्षों की सूचनाएं

कार्यालय कलेक्टर, जिला टीकमगढ़

टीकमगढ़, दिनांक 06 जनवरी, 2014

क्र. 07/व.लि./5-ए/1/2014.—मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल की अधिसूचना क्रमांक एफ-3-2-1999/1/4, दिनांक 30 मार्च, 1999 के अनुक्रम में सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग-2 के अनुक्रमांक-चार की कंडिका 8 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वर्ष 2014 में टीकमगढ़ जिले के लिये निम्नानुसार स्थानीय अवकाश घोषित किये जाते हैं:—

क्रमांक	अवकाश का दिनांक	अवकाश का दिन	पर्व (त्यौहार)
1.	15 जनवरी, 2014	बुधवार	मकर संक्रांति
2.	18 मार्च, 2014	मंगलवार	भाई दूज (होली)
3.	25 अक्टूबर, 2013	शनिवार	भाई दूज (दीपावली)

उपरोक्त स्थानीय अवकाश कोषालय/उपकोषालय पर लागू नहीं होगी. यह आदेश निगोसिएवल इन्ट्रामेंट्स एक्ट के अंतर्गत लागू नहीं होगा.

सुदाम खाड़े,
कलेक्टर.

(53)

न्यायालयों की सूचनाएं

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक, सार्वजनिक न्यास रहली, जिला सागर

रहली, दिनांक 16 जनवरी, 2014

रा. प्र. क्र. /बी/113/2013-14.

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक माखनलाल सराफ एवं अन्य, निवासी—रहली, तहसील रहली, जिला सागर द्वारा एक आवेदन-पत्र धारा-4 मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम के अन्तर्गत प्रस्तुत कर श्री दानीलाल धमार्थ न्यास, वार्ड नंबर 13, रहली, तहसील रहली, जिला सागर की न्यास कमेटी के गठन किए जाने बावत् प्रस्तुत किया है. जिसकी सुनवाई इस न्यायालय के समक्ष दिनांक 25 फरवरी, 2014 को दिन को 11.00 बजे नियत की गई है. उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वह नियत दिनांक व समय पर इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर स्वयं अथवा किसी मान्य अधिकर्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है. बाद म्याद गुजरने किसी भी आपत्ति अथवा आवेदन-पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा.

- लोक न्यास का नाम :— श्री दानीलाल धमार्थ न्यास, वार्ड नंबर 13, रहली, तहसील रहली, जिला सागर (मध्यप्रदेश)
- लोक न्यास का स्वरूप, उत्पत्ति एवं उद्देश्य : श्री दानीलाल धमार्थ न्यास, वार्ड नंबर 13, रहली, तहसील रहली, जिला सागर (मध्यप्रदेश) सामाजिक सुधार एवं धार्मिक उद्देश्य.
- वह स्थान जहां लोक न्यास का प्रधान कार्यालय या कारोबार का प्रधान स्थान पारित है. वार्ड नंबर 13, रहली खास, तहसील रहली, जिला सागर (मध्यप्रदेश)
- कार्यवाही न्यासी और प्रबंधक का नाम श्री माखनलाल सराफ आत्मज स्व. श्री दानीलाल सराफ उनके पते सहित. अध्यक्ष, मुख्य न्यासी, वार्ड नं. 7, रहली, तहसील रहली, जिला सागर.

मुख्य कार्यकारी न्यासी/अध्यक्ष.

- श्री सुरेश कुमार आत्मज शोभालाल कुर्मी, ग्राम रजवास, तह. रहली—उपाध्यक्ष.
- श्रीमती किरण पति अशोक कुमार गुप्ता, पुत्री माखनलाल सराफ, , तह. रहली—कोषाध्यक्ष
- श्री उमाशंकर आत्मज स्व. श्री विष्णु सराफ, तह. रहली—सचिव
- श्री दीपक कुमार आत्मज रतनलाल ददरया, तह. रहली—सदस्य

5. न्यासीपद या व्यवस्थापन पद के उत्तराधिकार : चुनाव द्वारा जिसमें मेरे परिवार का एक सदस्य न्यास में उत्तराधिकारी के रूप में रहेगा.
6. न्यास से संबंधित योजना कोई हो तो विवरण : धार्मिक उद्देश्य. प्रक्रिया संलग्न करें.
7. सम्पत्ति का विवरण : मकान मौजा रहली, प. ह. नं. 20, तह. रहली स्थित भूमि स्वामी भूमि

खसरा नम्बर	रकबा (हे. में)
422/9	0.019 आरे

8. न्यास की आय का साधन : दान द्वारा (भवन से प्राप्त राशि) सहयोग द्वारा.
 9. कुल वार्षिक आय : कुछ नहीं.
 10. न्यास की संपत्ति पर ऋण का भार : कुछ नहीं.
- उद्घोषणा आज दिनांक 16 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया.

बी. बी. पाण्डेय,
अनुविभागीय अधिकारी.

(56)

न्यायालय पंजीयक, लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी, उज्जैन

प्र. क्र. 06 /बी-113/2013-14.

दिनांक 19 दिसम्बर, 2013

प्रारूप-चार

[नियम-5 (1) देखिए]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1959 (1951 का 30) की धारा-5 की उप-धारा (2)

मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 का नियम-5 (1) देखिये]

पंजीयक,
लोक न्यास,
जिला उज्जैन के समक्ष.

चूँकि प्रतिनिधि अध्यक्ष श्री गजानंद पिता नंदकिशोर मेहता, निवासी—ए, 4/23, महानंदानगर, उज्जैन द्वारा श्री एकलिंगनाथजी त्रिवेदी मेवाडा ब्राह्मण न्यास, उज्जैन ट्रस्ट का मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-4 के अधीन अनुसूची में लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की सम्पत्ति के पंजीयन के लिए आवेदन किया है. एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आवेदन मेरे न्यायालय में दिनांक 25 जनवरी, 2014 को प्रातः 11.00 बजे स्थान कोठी पैलेस, उज्जैन का विचार के लिए लिया जावेगा.

कोई व्यक्ति जो उक्त न्यास या सम्पत्ति में हित रखता हो और उसके बारे में की आपत्तियां करने या सुझाव देने का विचार रखता हो, उसे इस सूचना लोक न्यास है और उसका गठन करती है.

अतः मैं, पंजीयक, लोक न्यास एवं अनुविभागीय अधिकारी, उज्जैन, जिला उज्जैन का लोक न्यासों का पंजीयक अपने न्यायालय में दिनांक 25 जनवरी, 2014 को उक्त अधिनियम की धारा-5 की उप-धारा (1) के द्वारा तथा अपेक्षित जांच करना प्रस्तावित करता हूँ.

अतः एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यकारी न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करता और मेरे कोर्ट में मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिए. उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिए ग्राह्य नहीं किया जाएगा.

अनुसूची

(लोक न्यास का नाम और पता तथा लोक न्यास की सम्पत्ति का वर्णन)

न्यास का नाम	..	श्री एकलिंगनाथजी त्रिवेदी मेवाडा ब्राह्मण न्यास, उज्जैन.
कार्यालय	..	सी-12/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, उज्जैन.
अचल सम्पत्ति	..	निरंक
चल सम्पत्ति	..	आवेदन-पत्र अनुसार रुपये 11,000/- नगद.

शैलेन्द्रसिंह सोलंकी,
पंजीयक एवं अनुविभागीय अधिकारी.

(50)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं पंजीयक, लोक न्यास, आलोट, तहसील आलोट, जिला रतलाम

आलोट, दिनांक 13 दिसम्बर, 2013

प्रकरण क्र. 81/बी-121/11-12.

प्रारूप-चतुर्थ

[नियम 5 (1) देखिये]

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 एक का अधिनियम तीसवां की धारा-5 (2) मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट नियम 5 (1) के अनुसार]

क्र./2452/री-1/13.—चूंकि श्री भग्गाजी-भेरूलालजी पारख न्यास आलोट ट्रस्ट, तहसील आलोट, जिला रतलाम के ट्रस्टी की अध्यक्ष श्री प्रकाशचंद्र लोडा पिता शांतिलालजी लोडा, जाति जैन, निवासी-94, सुभाष मार्ग, खाचरौद, तहसील खाचरौद, जिला उज्जैन मध्यप्रदेश अन्य-8 ने मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 की धारा (4) के अनुसार नीचे दर्शाई गई सम्पत्ति के पब्लिक ट्रस्ट का पंजीयन कराने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है। अतएव सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन की सुनवाई मेरे न्यायालय में नियत दिनांक 22 जनवरी, 2014 को प्रातः 11.00 बजे नियत की गई है।

2. कोई व्यक्ति को उक्त ट्रस्ट अथवा/सम्पत्ति का हितार्थी हो और उसे ट्रस्ट के सम्बन्ध में कोई आपत्ति/आक्षेप करने की इच्छा हो या सुझाव देना चाहता है तो वह इस अधिसूचना के निकलने से एक माह की अवधि में इस न्यायालय में अपने लिखित वक्तव्य की दो प्रतियां प्रस्तुत करें और नियत अवधि के दिन स्वयं या अपने अधिवक्ता या एजेंट द्वारा मेरे समक्ष में उपस्थित हों।

निर्धारित समय के समाप्त होने पर प्रस्तुत किये गये आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अधिसूची

1. ट्रस्ट का नाम .. श्री भग्गाजी-भेरूलालजी पारख न्यास आलोट ट्रस्ट, तहसील आलोट, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश.
2. चल सम्पत्ति का विवरण- (क) .. वर्तमान में ट्रस्ट की सम्पत्ति रुपये 1,30,347/- (एक लाख तीस हजार तीन सौ सैतालिस रुपये) ट्रस्ट के निष्पादनकर्ता द्वारा नगद रूप में प्रदान की गई.
(ख) .. निरंक.
3. अचल सम्पत्ति .. नगर परिषद आलोट जिला रतलाम मध्यप्रदेश की नगर सीमा में वार्ड क्रमांक-3, पुराना वार्ड क्रमांक-2, भवन क्रमांक-51, राजेंद्र विलास, राजेंद्र चौक (रानीपुरा) आलोट में स्थित मकान निजी स्वत्व का मकान अनुमानित मूल्य 25,00,000/-.
4. अचल सम्पत्ति का विवरण .. निरंक.

आज दिनांक 13 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(52)

ए. के. शर्मा,
अनुविभागीय अधिकारी.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रजिस्ट्रार, पब्लिक ट्रस्ट, भिण्ड

भिण्ड, दिनांक 22 जनवरी, 2014

प्र. क्र. /13-14/बी-113.

फॉर्म-4

[नियम (11) देखिये]

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, 1951 की धारा-5 (1) के अन्तर्गत]

जैसा कि मुख्य न्यासी एवं संरक्षक श्री श्री 108 श्री सियाराम दास उर्फ कागभुसुण्डजी, निवासी जानकी कुड, मैथली गली, चित्रकूट तहसीलदार जिला मझगांवा, जिला सतना ने (श्री श्री 108 श्री सियाराम दास जी महाराज सेवा न्यास, भिण्ड) के पंजीयन हेतु मध्यप्रदेश ट्रस्ट अधिनियम की धारा-4 के अन्तर्गत एक आवेदन-पत्र अनुसूची में दर्शाई सम्पत्ति के पब्लिक ट्रस्ट के रूप में पंजीयन हेतु प्रस्तुत किया है।

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त आवेदन मेरे न्यायालय में मेरे द्वारा दिनांक 13 मार्च, 2014 को विचार में लिया जावेगा। कोई भी व्यक्ति जो उक्त ट्रस्ट में या सम्पत्ति में हित रखता हो और कोई आपत्ति या सुझाव देना चाहता हो, लिखित में दो प्रतियों में इस सूचना के प्रकाशन के एक माह में स्वयं या अभिकर्ता के माध्यम से मेरे समक्ष उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त अवधि समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

1. ट्रस्ट का नाम . . . श्री श्री 108 श्री सियाराम दास जी महाराज सेवा न्यास, भिण्ड
2. चल सम्पत्ति . . . निल
3. अचल सम्पत्ति . . . भू-खण्ड 1225 वर्ग फीट मौजा रजौला, तहसील मझगांव, जिला सतना.

नरोत्तम भार्गव,

(57)

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं रजिस्ट्रार

न्यायालय रजिस्ट्रार, पब्लिक ट्रस्ट, इन्दौर

(फॉर्म-चार)

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम-5 (1) के अन्तर्गत]

मन्ना मिनिस्ट्रीज, पता—8, अहिल्यापुरी कॉलोनी, रेसीडेंसी एरिया, इंदौर, मध्यप्रदेश की ओर से श्री एस. के. डेविड, म. नं. 8, अहिल्यापुरी कॉलोनी, रेसीडेंसी एरिया, इंदौर, मध्यप्रदेश द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है.

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्तियार के माध्यम से आपत्ति दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं.

निश्चित अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा.

परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

- ट्रस्ट का नाम : मन्ना मिनिस्ट्रीज.
- पता : 8, अहिल्यापुरी कॉलोनी, रेसीडेंसी एरिया, इंदौर, मध्यप्रदेश.
- अचल सम्पत्ति : निरंक.
- चल सम्पत्ति : रुपये 4,000/- (अक्षरी रुपये चार हजार मात्र).

आज दिनांक 14 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया.

विजय कुमार अग्रवाल,
रजिस्ट्रार.

(55)

अन्य सूचनाएं

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, भिण्ड, जिला भिण्ड

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के 57 (सी) के अन्तर्गत]

उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, भिण्ड के आदेश क्रमांक/परि./2013/181, भिण्ड, दिनांक 30 जनवरी, 2013 के अनुसार मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं को परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 अन्तर्गत मुझे परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., परसोना	209/20-04-67	8023/29-12-1978
2.	अन्नपूर्णा संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., स्योड़ा	190/09-02-66	1110/19-07-1979

1	2	3	4
3.	हरिजन संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., अकोड़ा	179/22-08-64	1120/20-07-1989
4.	सामूहिक कृषि सहकारी संस्था मर्या., मोनू रम पुरा	31/10-10-07	1228/20-06-1991
5.	शासकीय कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	434/08-12-86	1585/25-06-2009
6.	इन्द्रा नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	04/10-01-72	1584/25-06-2009
7.	भदावर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	425/30-09-86	1586/20-06-2009
8.	तिलक नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	460/31-03-87	1587/25-06-2009
9.	चतुर्वेदी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	13202/11-08-58	1590/25-06-2009
10.	शिक्षा विभाग गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	11/15-02-73	1551/25-06-2009
11.	सीतानगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	05/17-02-82	1592/25-06-2009
12.	सहकारी मुद्रणालय संस्था मर्या., भिण्ड	334/27-10-58	1552/25-06-2009
13.	प्राथमिक यातायात सहकारी संस्था मर्या., सालिंगपुरा	709/23-02-95	
14.	प्राथमिक सतगुरू यातायात सहकारी संस्था मर्या., गंगोले का पुरा	679/19-01-91	1500/25-06-2009
15.	वन खण्डेश्वर कैंटीन एवं प्रसंस्करण सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	852/09-10-02	572/05-03-2005
16.	चंबल घाटी बीज उत्पादक सहकारी संस्था, दबोहा	267/06-12-74	730/16-03-2005
17.	नव निर्माण कामगार सहकारी संस्था, भिण्ड	33/14-09-82	
18.	हरिजन श्रमिक सहकारी संस्था मर्या., अकोड़ा	274/09-09-87	1202/20-06-1991
19.	शिव कामगार सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	741/20-02-98	719/16-03-2005
20.	आदर्श सिंचाई सहकारी संस्था मर्या., टिमावली	299/21-11-80	
21.	इन्दिरा गाँधी महिला कल्याण उद्योग सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	728/16-06-95	
22.	ग्रामीण महिला बहु. सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड अतर सूमा	857/27-11-02	217/14-02-2006
23.	गांधी बुनकर सहकारी संस्था मर्या., दबोहा	141/30-09-83	2578/14-10-1991
24.	बुनकर सहकारी संस्था मर्या., फूप	193/27-03-66	1198/24-02-2006
25.	बुनकर सहकारी संस्था मर्या., कोक सिंह का पुरा	290/02-08-80	
26.	शंकर बुनकर सहकारी संस्था मर्या., रामनगर	360/09-08-87	2578/17-10-91
27.	हरिओम कोलियान बुनकर सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	5655/20-02-47	
28.	प्राथमिक महिला बुनकर सहकारी संस्था मर्या., बाराकला	396/09-09-92	
29.	जनता बुनकर सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	222/28-02-68	991/06-04-2005
30.	आजाद बुनकर प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	266/31-12-86	
31.	बुनकर प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., हीरालाल का पुरा	284/17-04-77	
32.	अन्नपूर्णा प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	70/05-05-89	
33.	चेतन प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	367/04-04-92	
34.	आदर्श पावर लूम बुनकर प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	914/22-04-88	
35.	स्वदेशी बुनकर प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	277/28-05-78	1132/30-06-2006
36.	संत कबीर प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड	159/25-01-96	
37.	आदर्श प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., शिवहरे का पुरा	298/10-07-78	
38.	प्राथमिक बुनकर सहकारी संस्था मर्या., उदीतगढ़	294/18-04-80	1416/25-06-2009
39.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., घनश्याम पुरा		

1	2	3	4
40.	माँ दुर्गा रेत खदान सहकारी संस्था मर्यादित, भिण्ड		
41.	तिजारत सहकारी संस्था मर्यादित, भिण्ड		
42.	उत्तम कृषि सहकारी संस्था मर्या., भिण्ड		
43.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., कंचनपुरी, भिण्ड	182/22-02-65	1212/20-06-1991
44.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., कचौरा	180/23-02-65	1211/20-06-1991
45.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., फूफ	205/02-06-79	1497/25-07-1991
46.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., सींगपुरा	190/19-02-64	1213/20-06-1991
47.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., पीलाडाड़ा		
48.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., भोनपुरा		
49.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., स्योड़ा		
50.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था मर्या., सफेद पुरा	24/29-12-78	1495/20-07-91

मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 (1) के अन्तर्गत परिसमापन दि. से संस्थाओं की समस्त आस्तियाँ परिसमापक में वेष्टित हो गई हैं. अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत उक्त सहकारी संस्थाओं के विरुद्ध दावों की सूचना के प्रकाशन दिनांक से 60 दिवस के अन्दर मय प्रमाणों के यदि कोई हो, तो लिखित रूप से मेरे समक्ष कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, भिण्ड में कार्यालयीन दिवसों में कार्यालयीन समय प्रस्तुत करें, त्रुटि की दशा में साहूकारगण/दावेदारगण/सदस्यगण किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने से दायित्वाधीन होंगे.

समयावधि उपरांत उनके कोई दावे एवं आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा संस्थाओं की लेखा पुस्तकों में लेखबद्ध दायित्व स्वमेव मुझे प्रस्तुत किये गये समझे जावेंगे.

यदि उक्त संस्थाओं के अभिलेख या आस्तियाँ/डेडस्टॉक/संस्था का रिकार्ड किसी के पास हो तो अविलम्ब अधोहस्ताक्षरकर्ता को सौंपे, यदि बाद में ज्ञात होता है कि किसी के द्वारा जानबूझकर आस्तियाँ या अभिलेख या रिकार्ड एवं डेडस्टॉक नहीं सौंपे गये हैं, तो सम्बन्धित के विरुद्ध उनको वसूलने हेतु विधिवत् वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी संबंधित की होगी.

यदि उक्त संस्थाओं के अभिलेख एवं आस्तियाँ समस्त प्रयासों के बावजूद प्राप्त नहीं होती हैं तो दावेदारों/साहूकारों/सदस्यों के दावे, आपत्तियों तथा लेनदारी एवं देनदारी का निराकरण गत वर्षों की अंकेक्षक स्थिति विवरण पत्रकों के आधार पर परिसमापक के विवेक व सक्षम अधिकारी के अनुमोदन उपरान्त किया जावेगा.

यह सूचना आज दिनांक 07 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर से जारी की गई.

माताप्रसाद,

(21)

सहकारिता विस्तार अधिकारी एवं परिसमापक.

कार्यालय परिसमापक स्वायत्त सहकारिता मर्या., जिला श्योपुर

[मध्यप्रदेश स्वायत्त सहकारिता अधिनियम, 1999 की धारा-61 (ख) के अन्तर्गत]

मध्यप्रदेश स्वायत्त सहकारिता अधिनियम, 1999 की धारा-60 के अंतर्गत मुझे निम्नलिखित स्वायत्त सहकारिताओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है :-

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापन में आने का क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	राजीव गाँधी भण्डार स्वायत्त सहकारिता मर्या., श्योपुर	एआर/एसपीआर/11, दि. 24-09-2003	4653, दि. 05-11-11
2.	कशाभाहु क्रय-विक्रय एवं साख स्वायत्त सहकारिता मर्या., श्योपुर.	एआर/एसपीआर/13, दि. 08-04-2004	4654, दि. 05-11-11

अतः उक्त स्वायत्त सहकारिताओं के समस्त दावेदारों, लेनदारों, देनदारों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वह संस्थाओं के विरुद्ध अपने समस्त दावों को इस सूचना-पत्र के प्रकाशन के दिनांक से 02 माह के अन्दर मय प्रमाण के मुझे लिखित रूप से कार्यालयीन दिवस एवं समय पर कार्यालय सहायक आयुक्त, सहकारिता गाँधी चौक, नगर पालिका के सामने, जिला श्योपुर में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। यदि 2 माह की अवधि में किसी दावेदार ने कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया तो बाद में कोई दावा मान्य नहीं किया जावेगा एवं संस्था की लेखा पुस्तकों में लेखबद्ध दायित्व स्वमेव इस खण्ड के अधीन विधिवत् प्रस्तुत किये गये समझे जावेंगे।

यह सूचना आज दिनांक 03 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(22)

गोपाल माहेश्वरी,

परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक.

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी समितियां, ग्वालियर

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के नियम 57 (सी) के अन्तर्गत]

उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला ग्वालियर के नीचे उल्लेखित आदेशों में वर्णित विवरण अनुसार अधोहस्ताक्षरकर्ता को निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	चितरंजन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या., ग्वालियर	डीआर/जीडब्ल्यूआर/403, दि. 28-01-2008	परिसमा./2012/722, दिनांक 23-05-2013
2.	उत्कर्ष स्वास्थ्य सहकारी समिति मर्या., ग्वालियर	डीआर/जीडब्ल्यूआर/407, दि. 05-11-2009	परिसमा./2012/1115, दिनांक 26-07-2013

सहकारी अधिनियम की धारा-71 (1) के अन्तर्गत परिसमापन दिनांक से संस्थाओं की समस्त आस्तियां परिसमापक में वेष्टित हो गई हैं। अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत उक्त सहकारी संस्थाओं के विरुद्ध दावों/आपत्तियों को इस सूचना-पत्र के जारी करने के दिनांक से 60 दिवस के अन्दर मय प्रमाण के यदि कोई हो, तो लिखित रूप से मेरे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला ग्वालियर में कार्यालयीन दिवसों में दोपहर 12.00 से 3.00 बजे तक प्रस्तुत करें, त्रुटि की दशा में साहूकारगण/दावेदारगण/सदस्यगण किसी भी लाभ के बंटवारे से वंचित होने से दायित्वाधीन होंगे। समयावधि उपरांत उनके कोई दावे एवं आपत्तियां मान्य नहीं होंगी तथा संस्थाओं की लेखा पुस्तकों में लेखबद्ध दायित्व स्वयमेव मुझे प्रस्तुत किये गये समझे जावेंगे।

यदि उक्त संस्थाओं के अभिलेख या आस्तियां/डेडस्टॉक/संस्था का रिकार्ड किसी के पास हो तो अविलम्ब अधोहस्ताक्षरकर्ता को सौंपे, यदि बाद में ज्ञात होता है कि किसी के द्वारा जानबूझकर आस्तियों का अभिलेख या रिकार्ड एवं डेडस्टॉक नहीं सौंपे गये हैं, तो सम्बन्धित के विरुद्ध उनको वसूलने हेतु विधिवत् वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी संबंधित की रहेगी।

यदि उक्त संस्थाओं के अभिलेख एवं आस्तियां समस्त प्रयासों के बावजूद प्राप्त नहीं होती हैं तो दावेदारों/साहूकारों/सदस्यों के दावे, आपत्तियों का निराकरण गत वर्षों के वित्तीय पत्रकों में दर्शाई गई लेनदारी एवं देनदारी की प्रविष्टियां बोगस/शून्यवत मानकर तदनुसार पंजीयन निरस्ती हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से पंजीयन निरस्ती की कार्यवाही की जावेगी।

यह सूचना आज दिनांक 10 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर से जारी की गई है।

(23)

अजय आहूजा,

परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक.

कार्यालय उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, जिला झाबुआ

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कल्लीपुरा का पंजीयन क्रमांक 429, दिनांक 06 अगस्त, 2008 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी।

निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कल्लीपुरा का पंजीयन क्रमांक 429, दिनांक 06 अगस्त, 2008 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्रीमति रनिता गणावा को परिसमापक नियुक्त किया जाता है.

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है.

(760-D)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, अमरगढ़ का पंजीयन क्रमांक 931, दिनांक 26 अगस्त, 2006 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, अमरगढ़ का पंजीयन क्रमांक 931, दिनांक 26 अगस्त, 2006 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री ओ. पी. पंवार, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है.

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है.

(760-E)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

आल अमीन मुर्गीपालन सहकारी समिति मर्यादित, राणापुर का पंजीयन क्रमांक 969, दिनांक 10 अक्टूबर, 2011 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत आल अमीन मुर्गीपालन सहकारी समिति मर्यादित, राणापुर का पंजीयन क्रमांक 969, दिनांक 10 अक्टूबर, 2011 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री एम. एस. चौहान, S.C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है.

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है.

(760-F)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, झोसरपाड़ा का पंजीयन क्रमांक 868, दिनांक 20 नवम्बर, 1994 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, झोसरपाड़ा का पंजीयन क्रमांक 868, दिनांक 20 नवम्बर, 1994 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री ओ. पी. पंवार, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है.

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है.

(760-G)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कम्पान का पंजीयन क्रमांक 933, दिनांक 29 मार्च, 1997 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कम्पान का पंजीयन क्रमांक 933, दिनांक 29 मार्च, 1997 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्रीमति रनिता गणावा, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है.

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है.

(760-H)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

महिमा महिला सि. उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, झाबुआ का पंजीयन क्रमांक 987, दिनांक 04 नवम्बर, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है.

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की

धारा-69 (2) के अन्तर्गत महिमा महिला सि. उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, झाबुआ का पंजीयन क्रमांक 987, दिनांक 04 नवम्बर, 2003 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्रीमति चन्दा परमार, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-I)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पंचपिपल्या का पंजीयन क्रमांक 710, दिनांक 06 नवम्बर, 1995 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पंचपिपल्या का पंजीयन क्रमांक 710, दिनांक 06 नवम्बर, 1995 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री ए. के. जैन, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-J)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, रसोड़ी का पंजीयन क्रमांक 889, दिनांक 19 अप्रैल, 2004 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, रसोड़ी का पंजीयन क्रमांक 889, दिनांक 19 अप्रैल, 2004 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री कैलाश मुवेल, S.C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-K)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

हरे राम कृष्ण ईट उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, झकेला का पंजीयन क्रमांक 975, दिनांक 26 मार्च, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत हरे राम कृष्ण ईट उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, झकेला का पंजीयन क्रमांक 975, दिनांक 26 मार्च, 2003 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री ए. के. जैन, C. I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-L)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, लखपुरा का पंजीयन क्रमांक 809, दिनांक 27 जुलाई, 1993 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, लखपुरा का पंजीयन क्रमांक 809, दिनांक 27 जुलाई, 1993 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री व्ही. के. रावल, S. A. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-M)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पिपल खूँटा का पंजीयन क्रमांक 1464, दिनांक 30 अगस्त, 2006 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, पिपल खूँटा का पंजीयन क्रमांक 1464, दिनांक 30 अगस्त, 2006 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री कैलाश मुवेल, S.C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-N)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

श्री राम ईट उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, बड़ा सेमलिया का पंजीयन क्रमांक 967, दिनांक 25 फरवरी, 1989 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत श्री राम ईट उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, बड़ा सेमलिया का पंजीयन क्रमांक 967, दिनांक 25 फरवरी, 1989 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री जी. एल. सोलंकी, A.O. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-O)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कल्याणपुरा का पंजीयन क्रमांक 467, दिनांक 04 अगस्त, 1988 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, कल्याणपुरा का पंजीयन क्रमांक 467, दिनांक 04 अगस्त, 1988 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री ओ. पी. पंवार, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-P)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

माँ दुर्गा सि. उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, रातीतलाई का पंजीयन क्रमांक 978, दिनांक 31 जुलाई, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत माँ दुर्गा सि. उद्योग सहकारी समिति मर्यादित, रातीतलाई का पंजीयन क्रमांक 978, दिनांक 31 जुलाई, 2003 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री सुभाष कार्णिक, S.C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-Q)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

श्री कृष्णा प्रा. उप. भण्डार सहकारी समिति मर्यादित, झाबुआ का पंजीयन क्रमांक 981, दिनांक 18 अगस्त, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत श्री कृष्णा प्रा. उप. भण्डार सहकारी समिति मर्यादित, झाबुआ का पंजीयन क्रमांक 981, दिनांक 18 अगस्त, 2003 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री एल. एस. ठाकुर, A. O. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-R)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

मेघा स्टेशनरी मुद्रणालय सहकारी समिति मर्यादित, मेघनगर का पंजीयन क्रमांक 970, दिनांक 20 नवम्बर, 2001 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत मेघा स्टेशनरी मुद्रणालय सहकारी समिति मर्यादित, मेघनगर का पंजीयन क्रमांक 970, दिनांक 20 नवम्बर, 2001 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री व्ही. के. रावल, S.A. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-S)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

बालाजी ईधन सहकारी समिति मर्यादित, झाबुआ का पंजीयन क्रमांक 1002, दिनांक 07 जून, 2006 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत बालाजी ईधन सहकारी समिति मर्यादित, झाबुआ का पंजीयन क्रमांक 1002, दिनांक 07 जून, 2006 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री संजय सोलंकी, C. I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-T)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, डाबडी का पंजीयन क्रमांक 562, दिनांक 25 जून, 1988 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी। निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए। इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, डाबडी का पंजीयन क्रमांक 562, दिनांक 25 जून, 1988 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री गोविंद गुण्डिया, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-U)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

आदि. चेतना वस्त्र रंगाई छपाई सहकारी समिति मर्यादित, गड़वाड़ा का पंजीयन क्रमांक 19, दिनांक 13 फरवरी, 1958 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत आदि. चेतना वस्त्र रंगाई छपाई सहकारी समिति मर्यादित, गड़वाड़ा का पंजीयन क्रमांक 19, दिनांक 13 फरवरी, 1958 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री ए. के. जैन, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-V)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, चैनपुरा का पंजीयन क्रमांक 837, दिनांक 19 अप्रैल, 1994 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, चैनपुरा का पंजीयन क्रमांक 837, दिनांक 19 अप्रैल, 1994 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री ओ. पी. पंवार, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-W)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बखतपुरा का पंजीयन क्रमांक 938, दिनांक 29 मार्च, 1997 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, बखतपुरा का पंजीयन क्रमांक 938, दिनांक 29 मार्च, 1997 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री गोविंद गुण्डिया, C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-X)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

आजाद प्रा. उ. भण्डार सहकारी समिति मर्यादित, राणापुर का पंजीयन क्रमांक 1018, दिनांक 16 मई, 2007 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत आजाद प्रा. उ. भण्डार सहकारी समिति मर्यादित, राणापुर का पंजीयन क्रमांक 1018, दिनांक 16 मई, 2007 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री एम. एस. चौहान, S.C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-Y)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) एवं 70 (1) के अन्तर्गत]

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, नानीयासाथ का पंजीयन क्रमांक 890, दिनांक 04 अप्रैल, 1995 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्र./परि./2013/174, झाबुआ दिनांक 12 जुलाई, 2013 को जारी किया जाकर संबंधितों को प्रति उत्तर प्रस्तुत करने के लिये 15 दिवस की समयावधि दी गई थी. निर्धारित समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित आरोपों के संबंध में संस्था द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया एवं ना ही व्यक्तिगत सुनवाई हेतु उपस्थित हुए. इससे स्पष्ट है कि संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 एवं उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम, 1962 तथा संस्था की उपविधियों में वर्णित प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है तथा संस्था पूर्ण रूप से अकार्यशील होकर निष्क्रिय हो चुकी है. ऐसी स्थिति में संस्था को परिसमापन में लाया जाना आवश्यक हो गया है।

अतः मैं, बबलू सातनकर, उप आयुक्त, सहकारिता, जिला झाबुआ, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक एफ-5-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, नानीयासाथ का पंजीयन क्रमांक 890, दिनांक 04 अप्रैल, 1995 को परिसमापन में लाया जाता है तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री वी. एस. भूरिया, S.C.I. को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

यह आदेश मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2013 को जारी किया गया है।

(760-Z)

बबलू सातनकर,
उप-आयुक्त.

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/902. — कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि./परि./1424, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, सोहागपुर, पं. क्र. 401, वि. खंड लखनादौन, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था

को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, सोहागपुर, पं. क्र. 401, वि. खंड लखनादौन, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री यू. सी. चौकसे, व्ही.ई.ओ., शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

(763)

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/903.—कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि/परि./1423, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, पुरवा (आदेगांव), पं. क्र. 434, वि. खंड लखनादौन, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, पुरवा (आदेगांव), पं. क्र. 434, वि. खंड लखनादौन, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री यू. सी. चौकसे, व्ही.ई.ओ., शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

(763-A)

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/904.—कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि/परि./1415, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, खमरिया, पं. क्र. 785, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, खमरिया, पं. क्र. 785, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री नजमुद्दीन खान, व्ही.ई.ओ., शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

(763-B)

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/905.—कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि/परि./1416, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, अमुरला, पं. क्र. 668, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, अमुरला, पं. क्र. 668, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री नजमुद्दीन खान, व्ही.ई.ओ., दुग्ध शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

(763-C)

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/906.—कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि./परि./1417, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, पिंडरईखुर्द पं. क्र. 452, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, पिंडरईखुर्द पं. क्र. 452, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री नजमुद्दीन खान, व्ही.ई.ओ., दुग्ध शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

(763-D)

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/907.—कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि./परि./1410, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, पांडरवानी, पं. क्र. 835, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, पांडरवानी, पं. क्र. 835, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री नजमुद्दीन खान, व्ही.ई.ओ., दुग्ध शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

(763-E)

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/908.—कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि./परि./1409, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, केसलई, पं. क्र. 836, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, केसलई, पं. क्र. 836, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री नजमुद्दीन खान, व्ही.ई.ओ., दुग्ध शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

(763-F)

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/909.—कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि./परि./1412, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, मुआर, पं. क्र. 833, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, मुआर, पं. क्र. 833, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री नजमुद्दीन खान, व्ही.ई.ओ., दुग्ध शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

(763-G)

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/910.—कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि./परि./1413, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, विजयपानीकलां, पं. क्र. 832, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त किये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, विजयपानीकलां, पं. क्र. 832, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री नजमुद्दीन खान, व्ही.ई.ओ., दुग्ध शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

(763-H)

सिवनी, दिनांक 31 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत]

क्र./उपसि./परि./13/911.—कार्यालयीन सूचना-पत्र क्र./उपसि./परि./1411, दिनांक 30 अक्टूबर, 2012 के द्वारा दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, अतरी, पं. क्र. 834, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को अवसर प्रदाय किया गया था कि समुचित कारण प्रस्तुत न करने पर संस्था को क्यों न परिसमापन में लाया जावे. उक्त सूचना-पत्र के संबंध में संस्था द्वारा नियत दिनांक तक उपस्थित होकर अपना पक्ष या प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया.

अतः मैं, बी. एस. कोठारी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, सिवनी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अधिकार जो मुझे मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त

क्रिये गये हैं, का उपयोग करते हुए दुग्ध सहकारी समिति मर्यादित, अतरी, पं. क्र. 834, वि. खंड बरघाट, जिला सिवनी को परिसमापन में लाता हूँ तथा श्री नजमुद्दीन खान, व्ही.ई.ओ., दुग्ध शीत गृह बंडोल को सहकारी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत परिसमापक नियुक्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 31 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा सहित जारी किया जाता है.

बी. एस. कोठारी,
उप-पंजीयक.

(763-I)

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर

मन्दसौर, दिनांक 29 अप्रैल, 2013

जयदुर्गा मत्स्य सहकारी संस्था मर्या., सुजानपुरा, तहसील भानपुरा, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक 785, दिनांक 21 दिसम्बर, 1985 को इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/870, दिनांक 14 अगस्त, 2012 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारिता अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर श्री के. एल. वधवा, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त किया गया है. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करते हुए पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें स्वत्व सम्बन्धी कोई कार्यवाही शेष नहीं है. परिसमापक द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही से मैं सहमत हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्रमांक / एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ कि संस्था का निगम निकाय (बॉडी कार्पोरेट) के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 30 अप्रैल, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है.

(764)

मन्दसौर, दिनांक 30 अप्रैल, 2013

दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., ढाबला गुर्जर, तहसील शामगढ़, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक 707, दिनांक 07 जुलाई, 1993 है को कार्यालयीन आदेश क्र./परिसमापन/2614/2000, दिनांक 05 अक्टूबर, 2000 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारिता अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर श्री अनिल कुमार जैन, सहकारी निरीक्षक कार्यालय उप-आयुक्त सहकारिता, जिला मन्दसौर को परिसमापक नियुक्त किया गया है. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करते हुए पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें स्वत्व सम्बन्धी कोई कार्यवाही शेष नहीं है. परिसमापक द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही से मैं सहमत हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्रमांक / एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ कि संस्था का निगम निकाय (बॉडी कार्पोरेट) के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी.

यह आदेश आज दिनांक 29 अप्रैल, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है.

(764-A)

मन्दसौर, दिनांक 24 जून, 2013

दशपुर महिला रेडिमेड वस्त्र उद्योग सहकारी संस्था मर्या., खानपुरा, तहसील व जिला मन्दसौर, जिसका पंजीयन क्रमांक 89/135/जे. आर. एच. भोपाल, दिनांक 22 नवम्बर, 1989 को इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./09/295, दिनांक 19 फरवरी, 2009 एवं संशोधित आदेश क्र./870, दिनांक 14 अगस्त, 2012 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारिता अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर श्री टी. आर. गुन्नावत, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त किया गया है. परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करते हुए पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें स्वत्व सम्बन्धी कोई कार्यवाही शेष नहीं है. परिसमापक द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही से मैं सहमत हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की

धारा-18 (1) (2) मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्रमांक / एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ कि संस्था का निगम निकाय (बॉडी कार्पोरेट) के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 24 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(764-B)

मन्दसौर, दिनांक 29 जून, 2013

दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., लसुड़िया, तहसील गरोठ, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक 855, दिनांक 05 अक्टूबर, 2004 है को कार्यालयीन आदेश क्र./परिसमापन/1097/2012, दिनांक 06 अक्टूबर, 2012 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारिता अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर श्री अनिल कुमार जैन, सहकारी निरीक्षक कार्यालय उप-आयुक्त सहकारिता, जिला मन्दसौर को परिसमापक नियुक्त किया गया है। परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करते हुए पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें स्वत्व सम्बन्धी कोई कार्यवाही शेष नहीं है। परिसमापक द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही से मैं सहमत हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्रमांक / एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ कि संस्था का निगम निकाय (बॉडी कार्पोरेट) के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 29 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(764-C)

मन्दसौर, दिनांक 29 जून, 2013

दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., नौगांवा, तहसील व जिला मन्दसौर, जिसका पंजीयन क्रमांक 711, दिनांक 24 दिसम्बर, 1993 है को कार्यालयीन आदेश क्र./परिसमापन/1101/2012, दिनांक 06 अक्टूबर, 2012 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारिता अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर श्री अनिल ओझा, सहकारी निरीक्षक कार्यालय उप-आयुक्त सहकारिता, जिला मन्दसौर को परिसमापक नियुक्त किया गया है। परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करते हुए पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें स्वत्व सम्बन्धी कोई कार्यवाही शेष नहीं है। परिसमापक द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही से मैं सहमत हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्रमांक / एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ कि संस्था का निगम निकाय (बॉडी कार्पोरेट) के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 29 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(764-D)

मन्दसौर, दिनांक 29 जून, 2013

पशुपतिनाथ फल-फूल, साग-सब्जी उत्पादक एवं प्रक्रिया सहकारी संस्था मर्या., मल्हारगढ़, तहसील व जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक 838/2001, मन्दसौर दिनांक 29 अक्टूबर, 2001 को इस कार्यालय के आदेश क्र./परि./2004/648, दिनांक 19 मई, 2004 एवं संशोधित आदेश क्र./870, दिनांक 14 अगस्त, 2012 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारिता अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर सुश्री विपिन बड़गोती, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त किया गया है। परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करते हुए पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें स्वत्व सम्बन्धी कोई कार्यवाही शेष नहीं है। परिसमापक द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही से मैं सहमत हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्रमांक / एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ कि संस्था का निगम निकाय (बॉडी कार्पोरेट) के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 29 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(764-E)

मन्दसौर, दिनांक 30 सितम्बर, 2013

दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., अफजलपुर, तहसील व जिला मन्दसौर, जिसका पंजीयन क्रमांक 868/2006 मन्दसौर, दिनांक 20 जुलाई, 2006 को इस कार्यालय के आदेश क्र./परिसमापन/2012/1102, दिनांक 06 अक्टूबर, 2012 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारिता अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर श्री राजेश अग्रवाल, को परिसमापक नियुक्त किया गया है। परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करते हुए पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें स्वत्व सम्बन्धी कोई कार्यवाही शेष नहीं है। परिसमापक द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही से मैं सहमत हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्रमांक / एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ कि संस्था का निगम निकाय (बॉडी कापोरेट) के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 30 सितम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(764-F)

मन्दसौर, दिनांक 07 अक्टूबर, 2013

पं. मदनमोहन मालवीय साख सहकारी संस्था मर्या., मन्दसौर, तहसील व जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक (स्वायत्त 03, दिनांक 19 अक्टूबर, 2001) नवीन पंजीयन क्र. 996, दिनांक 23 जुलाई, 2013 है, को कार्यालयीन आदेश क्रमांक/परिसमापन/1404/08, दिनांक 18 सितम्बर, 2008 के द्वारा मध्यप्रदेश स्वायत्त सहकारिता अधिनियम, 1999 की धारा-59 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर श्री व्ही. एस. मालवीय को कार्यालय उप-आयुक्त सहकारिता, जिला मन्दसौर को परिसमापक नियुक्त किया गया है।

पं. मदनमोहन मालवीय सहकारी साख संस्था मर्या., मन्दसौर, के प्रबन्धक एवं श्री व्ही. एस. मालवीय, परिसमापक व सहकारी निरीक्षक द्वारा संस्था को पुनर्जीवित करने की सिफारिश की गई। संस्था के सदस्यों के हितों को संरक्षण देने की दृष्टि से संस्था का अस्तित्व में रहना एवं उसे पुनर्जीवित करना मेरे मत से उचित है। अतः मैं, भारतसिंह चौहान, उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसायटी, जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्रमांक/ एफ-5-1-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 (4) में प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए पं. मदनमोहन मालवीय साख सहकारी संस्था मर्या., मन्दसौर, तहसील व जिला मन्दसौर को इस कार्यालय के पूर्व आदेश क्रमांक/परिसमापन/1404/08, दिनांक 18 सितम्बर, 2008 को निरस्त करते हुए संस्था को पुनर्जीवित करता हूँ संस्था के आगामी कार्य संचालन हेतु निर्मांकित सदस्यों की प्रबन्धकारिणी कमेटी आगामी 03 माह के लिए नामांकित की जाती है। कमेटी निम्नानुसार है :-

श्री कैलाशचन्द्र भट्ट	अध्यक्ष
श्रीमति कामिनी पति अतुलकुमार	सदस्य
श्री कुशल प्रसाद पाण्डे	सदस्य
श्री अजय कुमार दुबे	सदस्य
श्री व्ही. एस. मालवीय (स. नि.)	सदस्य

यह आदेश आज दिनांक 07 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(764-G)

मन्दसौर, दिनांक 31 अक्टूबर, 2013

महिला दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., बही पार्श्वनाथ, तहसील मल्हारगढ़, जिला मन्दसौर, जिसका पंजीयन क्रमांक 792/1996 मन्दसौर, दिनांक 09 जनवरी, 1996 को इस कार्यालय के आदेश क्र./परिसमापन/1100/2012, दिनांक 06 अक्टूबर, 2012 के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारिता अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर श्री अनिल ओझा, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त किया गया है। परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करते हुए पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसमें स्वत्व सम्बन्धी कोई कार्यवाही शेष नहीं है। परिसमापक द्वारा प्रस्तुत कार्यवाही से मैं सहमत हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की

धारा-18 (1) (2) मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग, भोपाल की विज्ञप्ति क्रमांक / एफ-5-1-99-15-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ कि संस्था का निगम निकाय (बॉडी कॉर्पोरेट) के रूप में विद्यमान नहीं रहेगी।

यह आदेश आज दिनांक 31 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(764-H)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
महिला वस्त्र रंगाई, छपाई सहकारी संस्था मर्या., दलौदा.

महिला वस्त्र रंगाई, छपाई सहकारी संस्था मर्या., दलौदा, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/डी. आर. एच./भोपाल/529, दिनांक 07 अगस्त, 1995 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है।
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है।
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है। इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है।
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है।

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे। आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे।

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है।

(764-I)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

श्री देवीलाल चौहान,
अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
निर्माण कामगार सहकारी संस्था मर्या., (चन्द्रपुरा) मन्दसौर.

निर्माण कामगार सहकारी संस्था मर्या., (चन्द्रपुरा) मन्दसौर, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/319, दिनांक 02 अप्रैल, 1979 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है।

2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-J)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

श्रीमति मांगुबाई,
अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
बुनकर सहकारी संस्था मर्या., दलौदा.

बुनकर सहकारी संस्था मर्या., दलौदा, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/374, दिनांक 15 मई, 1992 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-K)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
कम्बलहारा बुनकर सहकारी संस्था मर्या., मन्दसौर.

कम्बलहारा बुनकर सहकारी संस्था मर्या., मन्दसौर, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/1445, दिनांक 28 मई, 1920 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-L)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
महिला बुनकर सहकारी संस्था मर्या., खिलचीपुरा.

महिला बुनकर सहकारी संस्था मर्या., खिलचीपुरा, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/डी. आर. एच./भोपाल/31, दिनांक 06 अक्टूबर, 1997 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-M)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
नर्मदा मत्स्य सहकारी संस्था मर्या., कोटड़ाबुजुर्ग, तह. गरोठ.

नर्मदा मत्स्य सहकारी संस्था मर्या., कोटड़ाबुजुर्ग, तह. गरोठ, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/890, दिनांक 26 दिसम्बर, 2007 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-N)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

श्री विरेन्द्र सिंह शक्तावत,
अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
मित्रमण्डलीय गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., मन्दसौर.

मित्रमण्डलीय गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., मन्दसौर, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/33, दिनांक 17 अक्टूबर, 1986 है का

परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-O)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

श्री झमकलाल पिता किशनलालजी,
अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
केशव गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., सीतामऊ.

केशव गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., सीतामऊ, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/31, दिनांक 06 अप्रैल, 1980 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्था अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्थाएं द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्था अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, जिला मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-P)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

श्री अब्दुल सत्ता पिता नाहर खाँ,

अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,

शा. लघुवेतन कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., सीतामऊ.

शा.लघुवेतन कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., सीतामऊ, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/29, दिनांक 23 फरवरी, 1985 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-Q)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

श्री अनिल निरगुन्दे,

अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,

शिक्षक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., मन्दसौर.

शिक्षक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., मन्दसौर, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/21, दिनांक 07 मई, 1984 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-R)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

श्री शांतिलाल पाटनी,
अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
संजय गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., पिपल्यामण्डी,
(पाटनी ऑटो पार्ट्स चौपाटी).

संजय गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., पिपल्यामण्डी, तहसील महल्हागढ़, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/8, दिनांक 09 मार्च, 1981 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-S)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
पिछड़ा एवं अल्प संख्यक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., भानपुरा.

पिछड़ा एवं अल्प संख्यक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., भानपुरा, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक//865, दिनांक 03 अप्रैल, 2006

है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्था द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-T)

मन्दसौर, दिनांक 04 दिसम्बर, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

श्री राजेन्द्र कुमार बैरागी,
अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी,
प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., गांधीसागर, तह. भानपुरा.

प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., गांधीसागर, तह. भानपुरा, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक/153, दिनांक 25 फरवरी, 1954 है का परीक्षण करने पर यह विदित हुआ है कि संस्था की कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में निम्नानुसार अनियमितताएं पाई गई:-

1. संस्था वर्ष 2009-10, 2010-11 एवं 2011-12 की अंकेक्षण टीपों के आधार पर अकार्यशील रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2)(ए) का उल्लंघन है.
2. संस्था द्वारा कार्य नहीं किए जाने से संस्था के सामान्य हितों में कार्य करने में असफल रही है जो मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (बी) का उल्लंघन है.
3. संस्था अकार्यशील है संस्थाएं द्वारा अपनी पंजीकृत उपविधि में उल्लेखित उद्देश्य की पूर्ति नहीं की जा रही है. इस प्रकार संस्था द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी संस्था अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी) का उल्लंघन है.
4. संस्था सदस्यों/प्रबन्धकारिणी सदस्यों द्वारा संस्था को कार्यशील रखने में कोई रुचि नहीं ली जा रही है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्र./ एफ 5-1-99 पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, भारतसिंह चौहान, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, मन्दसौर यह सूचना-पत्र जारी करता हूँ कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर पंजीयन निरस्त करने की कार्यवाही की जावे. आप अपना उत्तर दिनांक 26 दिसम्बर, 2013 तक मेरे समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. आपके द्वारा अपना पक्ष समर्थन न करने की दशा में उक्त अनुसार आदेश जारी किए जावेंगे.

यह आदेश आज दिनांक 04 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(764-U)

भारतसिंह चौहान,
उप-पंजीयक.

कार्यालय परिसमापक मत्स्य सहकारी समिति मर्या., बसई, तहसील सुवासरा, जिला मन्दसौर

मन्दसौर, दिनांक 08 फरवरी, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम 1962 के नियम क्रमांक/57 (1)/सी के अन्तर्गत]

उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर के आदेश क्रमांक 1788, दिनांक 01 फरवरी, 1913 द्वारा मत्स्य सहकारी समिति मर्या., बसई, तहसील सुवासरा, जिला मन्दसौर जिसका पंजीयन क्रमांक 182, दिनांक 20 फरवरी, 1968 को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (1) के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अन्तर्गत मुझे (अधोहस्ताक्षरकर्ता) परिसमापक नियुक्त किया गया है।

अतः मैं, टी. आर. गुन्नावत, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर एवं उपरोक्त संस्था की परिसमापक मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम, 1962 के नियम क्रमांक 57 (सी) के अन्तर्गत यह सूचना प्रसारित करता हूँ कि उपरोक्त संस्था के प्रति कोई दावे या आपत्तियों या कोई रिकार्ड हो, तो वे इस सूचना-पत्र के जारी होने के दिनांक से दो माह के अन्दर मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला मन्दसौर से मय प्रमाण के लिखित प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात् प्राप्त दावे आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा संस्था के परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर पंजीयन निरस्त करने हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत कर दिया जावेगा। यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संस्था के कर्मचारी सदस्य सक्षम पदाधिकारी के पास संस्था का रिकार्ड परिसम्पत्ति या नगदी हो उसे उपरोक्त अवधि में मेरे पास जमा करा देवें अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

यह सूचना आज दिनांक 08 फरवरी, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुद्रा से जारी की गई है।

(765)

टी. आर. गुन्नावत,

वरिष्ठ सह. निरी. एवं परिसमापक.

कार्यालय उपायुक्त सहकारिता, जिला रतलाम

रतलाम, दिनांक 13 दिसम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/1441.—परिसमापित दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, नेगडदा, जिला रतलाम (म. प्र.) के परिसमापक द्वारा अपने पत्र दिनांक 28 अक्टूबर, 2013 से अवगत कराया गया है कि संस्था के सदस्यों द्वारा दिनांक 26 सितम्बर, 2013 को विशेष आमसभा आयोजित कर सर्वानुमति से संस्था को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया है। परिसमापक की अनुशंसा एवं सोसायटी के सदस्यों द्वारा पारित ठहराव के अनुक्रम में मेरी राय में यह उपर्युक्त प्रतीत होता है कि संस्था के विकास कार्यों एवं सदस्यों के आर्थिक विकास से संबंधित समस्याओं का निराकरण प्रजातांत्रिक स्वरूप से किया जाने हेतु संस्था का परिसमापन समाप्त किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, नेगडदा, जिला रतलाम (म. प्र.) का परिसमापन समाप्त करते हुए संस्था को पुनर्जीवित किया जाता है एवं संस्था के कामकाज हेतु निम्नानुसार कामकाज कमेटी को नामांकित करता हूँ।

1. श्री रमेश पिता तुलसीराम जाट	अध्यक्ष	6. श्री प्रकाश पिता भेरूलाल	सदस्य
2. श्री दिनेश पिता मंगीलाल	सदस्य	7. श्रीमति मीरा बाई पति अनिल	सदस्य
3. श्री ओमकारलाल पिता नानुराम	सदस्य	8. श्री नरेन्द्र सिंह पिता अन्तरसिंह	सदस्य
4. श्री अशोक पिता भेरूलाल	सदस्य	9. श्री भीमा पिता भेरू लाल	सदस्य
5. श्री देवीलाल पिता अमृतराम	सदस्य		

उपर्युक्त नामांकित कमेटी आदेश जारी होने के तीन माह के अन्दर निर्वाचन कराये जाने हेतु निर्वाचन का प्रस्ताव म. प्र. राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण तिलहन संघ भवन, 1-अरेरा हिल्स, भोपाल को कमेटी के प्रस्ताव ठहराव एवं चार माह के पूर्व की स्थिति पर सदस्यता सूची एवं संस्था के पंजीकृत उपविधि की प्रमाणित प्रति सहित एक माह की समय-सीमा में प्रेषित करें एवं उसकी प्रतिलिपि इस कार्यालय को दी जावे।

यह आदेश आज दिनांक 13 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(01-B)

पी. आर. कावड़कर,

उप-रजिस्ट्रार.

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 623, दिनांक 24 अप्रैल, 2009 द्वारा एकता साख सहकारिता मर्या., उज्जैन जिसका पंजीयन क्रमांक 15, दिनांक 09 नवम्बर, 2001 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-60 के अन्तर्गत श्री विनायक राजुरकर, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 14 मई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2052, दिनांक 17 सितम्बर, 2010 द्वारा जागृति बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता मर्या., मतांगना, जिसका पंजीयन क्रमांक 52, दिनांक 04 जून, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री बी. एस. बख्तरिया, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 21 मई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-A)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2052, दिनांक 17 सितम्बर, 2010 द्वारा दिग्विजय महिला बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता मर्या., मलोड़ा, तहसील बड़नगर, जिसका पंजीयन क्रमांक 42, दिनांक 12 मई, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री बी. एस. बख्तरिया, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 21 मई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-B)

उज्जैन, दिनांक 21 मई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1023.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2052, दिनांक 17 सितम्बर, 2010 द्वारा भारतमाता बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता मर्या., जमालपुरा, तहसील बड़नगर, जिसका पंजीयन क्रमांक 51, दिनांक 04 जून, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री बी. एस. बख्तरिया, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 21 मई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(22-C)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2052, दिनांक 17 सितम्बर, 2010 द्वारा बिलकेश्वर महिला बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता मर्या., धतुरिया तह. बड़नगर जिसका पंजीयन क्रमांक 43, दिनांक 12 मई, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-60 के अन्तर्गत श्री समीर हरदास, उप-अंकेक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 21 मई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(22-D)

उज्जैन, दिनांक 13 जून, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/1277.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1731, दिनांक 31 मई, 2012 द्वारा दुग्ध सहकारी संस्थाएं मर्या., ढाबलावेणी जिसका पंजीयन क्रमांक 556, दिनांक 12 मई, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-60 के अन्तर्गत श्री डी. एस. बाल्के, व. स. नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 13 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-E)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1731, दिनांक 31 अगस्त, 2012 द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., पिपलियाधुमा, तह. महिदपुर जिसका पंजीयन क्रमांक ए. आर./यू. जे. एन. 832, दिनांक 04 मार्च, 1989 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री डी. एस. बाल्के, व. स. नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 16 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-F)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1731, दिनांक 31 अगस्त, 2012 द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., काचरिया, तहसील महिदपुर जिसका पंजीयन क्रमांक ए. आर./यू. जे. एन. 795, दिनांक 21 मई, 1988 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री डी. एस. बाल्के, व. स. नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 16 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-G)

उज्जैन, दिनांक 29 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2011.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1084, दिनांक 13 फरवरी, 1992 द्वारा चर्म उद्योग सहकारी संस्था मर्या., लेकोड़ा, जिला उज्जैन जिसका पंजीयन क्रमांक 127, दिनांक 28 अगस्त, 1961 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री बी. एस. बख्तरिया, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 29 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-H)

उज्जैन, दिनांक 10 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2369.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 3046, दिनांक 29 दिसम्बर, 2012 द्वारा चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., नेनावद जिसका पंजीयन क्रमांक 170, दिनांक 13 फरवरी, 1963 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री प्रदीप नाहटा, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 10 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-J)

उज्जैन, दिनांक 10 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2369.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 3049, दिनांक 29 दिसम्बर, 2012 द्वारा ग्रामउद्योग सहकारी संस्था मर्या., बड़नगर जिसका पंजीयन क्रमांक 06, दिनांक 25 जनवरी, 1949 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री डी. एस. बाल्के, वरिष्ठ सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 10 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-L)

उज्जैन, दिनांक 10 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2369.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 3053, दिनांक 29 दिसम्बर, 2012 द्वारा पंचशील तेल उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., तराना जिसका पंजीयन क्रमांक 74, दिनांक 22 फरवरी, 1961 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्रीमती हेमलता चंदेल, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 10 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-M)

उज्जैन, दिनांक 10 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2369.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 623, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 द्वारा श्री हरि महिला बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता मर्या., लोहानाकुटी, तहसील बड़नगर जिसका पंजीयन क्रमांक 48, दिनांक 13 मई, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री एस. एल. चौहान, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 10 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(25-N)

उज्जैन, दिनांक 10 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2369.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 623, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 द्वारा आदर्श महिला बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता मर्या., खेड़ावदा, जिसका पंजीयन क्रमांक 47, दिनांक 12 मई, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री एस. एल. चौहान, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 10 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(25-O)

उज्जैन, दिनांक 10 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2369.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 623, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 द्वारा आनंद बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता मर्या., भेरूपचलाना, जिसका पंजीयन क्रमांक 32, दिनांक 12 अप्रैल, 2003 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री एस. एल. चौहान, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं।

यह आदेश आज दिनांक 10 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(25-P)

उज्जैन, दिनांक 10 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2369.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 3049, दिनांक 29 दिसम्बर, 2012 द्वारा ईट, चूना सहकारी संस्था घुरेरी जिसका पंजीयन क्रमांक 175, दिनांक 16 मार्च, 1963 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री डी. एस. बाल्के, वरिष्ठ सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 10 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-Q)

उज्जैन, दिनांक 06 नवम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2541.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 1311, दिनांक 26 जून, 2012 द्वारा नेहा प्रिंटिंग प्रेस सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन जिसका पंजीयन क्रमांक 1504, दिनांक 24 अप्रैल, 1999 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री आर. एल. नागर, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 06 नवम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-S)

उज्जैन, दिनांक 06 नवम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2013/2542.—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 2385, दिनांक 04 दिसम्बर, 2012 द्वारा सांदिपनी शिक्षण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन जिसका पंजीयन क्रमांक 295, दिनांक 04 जुलाई, 1970 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री विनायक राजुरकर, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूं.

यह आदेश आज दिनांक 06 नवम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-T)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 434, दिनांक 27 फरवरी, 2013 द्वारा दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., असावता, तहसील बड़नगर जिसका पंजीयन क्रमांक 738, दिनांक 02 सितम्बर, 1986 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री एन. एस. कनेल, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की लेनदारी एवं देनदारी सम्बन्धी सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 22 नवम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(25-U)

उज्जैन, दिनांक 17 सितम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी/ग) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/2175.—इस कार्यालय द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर निम्नलिखित संस्थाओं को सूचित किया गया था कि क्यों न संस्थाओं को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाये:-

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक
1.	रविन्द्र गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	46/14-03-1968
2.	मातृछाया गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	81/24-09-1981
3.	रेल्वे कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	95/14-11-1984
4.	बिजली कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	104/09-08-1985
5.	केशव गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	42/18-09-1965
6.	तुलसी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1564/16-05-2001
7.	राजनंदनी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1694/30-12-2002
8.	गुरूनानक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	10/19-08-1960
9.	विवेक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	85/18-06-1982
10.	रत्नप्रभा गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1463/30-08-1997
11.	पदमावत गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1617/27-05-2003
12.	नित्यानंद गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1491/18-09-1998
13.	नवीन गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	64/29-09-1979

उपरोक्त संस्था अकार्यशील है एवं उद्देश्यानुसार कार्य नहीं करना, स्पष्ट करता है कि संस्था के पदाधिकारीगण संस्था का संचालन करने में उदासीन हैं.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69(2) (क/ग) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के

अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित संस्थाओं को परिसमापन में लाता हूँ तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत संस्थाओं के नाम के सम्मुख में उल्लेखित अधिकारियों को आगामी आदेश तक परिसमापक नियुक्त करता हूँ. परिसमापक तत्काल संस्थाओं का सम्पूर्ण चार्ज प्राप्त कर चार्ज लिस्ट दो प्रतियों में कार्यालय को प्रेषित करें एवं संस्थाओं के आस्तियों एवं दायित्वों का नियमानुसार निराकरण कर 3 माह में अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें:—

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापक का नाम व पद
1.	रविन्द्र गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	46/14-03-1968	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
2.	मातृछाया गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	81/24-09-1981	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
3.	रेल्वे कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	95/14-11-1984	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
4.	बिजली कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	104/09-08-1985	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
5.	केशव गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	42/18-09-1965	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
6.	तुलसी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1564/16-05-2001	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
7.	राजनंदनी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1694/30-12-2002	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
8.	गुरूनानक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	10/19-08-1960	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
9.	विवेक गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	85/18-06-1982	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
10.	रत्नप्रभा गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1463/30-08-1997	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
11.	पदमावत गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1617/27-05-2003	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
12.	नित्यानंद गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1491/18-09-1998	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.
13.	नवीन गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	64/29-09-1979	श्री सुनील रघुवशी, व. स. नि.

यह आदेश आज दिनांक 17 सितम्बर, 2013 को कार्यालयीन मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया.

(25-1)

उज्जैन, दिनांक 26 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी/ग) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/2467.—इस कार्यालय द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर निम्नलिखित संस्थाओं को सूचित किया गया था कि क्यों न संस्थाओं को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाये:—

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक
1.	लेअरसिंध गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	41/11-02-1964
2.	अर्पण गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1422/27-04-1996

उपरोक्त संस्थाएं अकार्यशील हैं एवं उद्देश्यानुसार कार्य नहीं करना, स्पष्ट करता है कि संस्था के पदाधिकारीगण संस्था का संचालन करने में उदासीन हैं.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69(2) (क/ग) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित संस्थाओं को परिसमापन में लाता हूँ तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत संस्थाओं के नाम के सम्मुख में उल्लेखित अधिकारियों को आगामी आदेश तक परिसमापक नियुक्त करता हूँ. परिसमापक तत्काल संस्थाओं का सम्पूर्ण चार्ज

प्राप्त कर चार्ज लिस्ट दो प्रतियों में कार्यालय को प्रेषित करें एवं संस्थाओं के आस्तियों एवं दायित्वों का नियमानुसार निराकरण कर 3 माह में अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें:—

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापक का नाम व पद
1.	लेअरसिंध गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	41/11-02-1964	श्री पी. के., बड़ोनिया
2.	अर्पण गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1422/27-04-1996	श्री पी. के., बड़ोनिया

यह आदेश आज दिनांक 26 अक्टूबर, 2013 को कार्यालयीन मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया.

(25-K)

उज्जैन, दिनांक 01 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी/ग) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/2284.—इस कार्यालय द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर निम्नलिखित संस्था को सूचित किया गया था कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाये:-

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक
1.	प्राथमिक जयकाल भैरव वाल्मिकी सेनेटरी मार्ट सह. संस्था मर्या. रूई, तह. घटिया.	1536/16-01-2002

उपरोक्त संस्था अकार्यशील है एवं उद्देश्यानुसार कार्य नहीं करना, स्पष्ट करता है कि संस्था के पदाधिकारीगण संस्था का संचालन करने में उदासीन हैं.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (क/ग) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित संस्था को परिसमापन में लाता हूँ तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत संस्था के नाम के सम्मुख में उल्लेखित अधिकारी को आगामी आदेश तक परिसमापक नियुक्त करता हूँ. परिसमापक तत्काल संस्था का सम्पूर्ण चार्ज प्राप्त कर चार्ज लिस्ट दो प्रतियों में कार्यालय को प्रेषित करें एवं संस्था के आस्तियों एवं दायित्वों का नियमानुसार निराकरण कर 3 माह में अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें:—

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापक का नाम व पद
1.	प्राथमिक जयकाल भैरव वाल्मिकी सेनेटरी मार्ट सह. संस्था मर्या. रूई, तह. घटिया.	1536/16-01-2002	श्री व्ही. के. जोशी, उप-अंके.

यह आदेश आज दिनांक 01 अक्टूबर, 2013 को कार्यालयीन मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया.

(25-R)

उज्जैन, दिनांक 01 मार्च, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी/ग) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/519.—इस कार्यालय द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर निम्नलिखित संस्थाओं को सूचित किया गया था कि क्यों न संस्थाओं को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाये:-

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक
(1)	(2)	(3)
1.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., उज्जैनिया, तहसील घटिया	550/30-06-1981

(1)	(2)	(3)
2.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., बमोरी	736/28-04-1986
3.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., मीण	734/13-03-1986
4.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., रामगढ़	685/30-11-1984
5.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., कलेसर	552/30-06-1981
6.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., नजरपुर	497/30-09-1980
7.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., पंचेड़	80728-07-1988
8.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., नलवा	409/27-11-1976
9.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., महुड़ी (तहसील महिदपुर)	661/16-03-1984
10.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., खुरचनिया चंद्रभान	721/31-10-1985
11.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., मुण्डला परवल	788/28-03-1988
12.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., रोहिड़ा	794/29-04-1988
13.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., उपड़ीराव (तहसील उज्जैन)	1518/10-05-2000
14.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., खजूरिया	638/24-01-1984
15.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., लिम्बापिपल्या	875/26-07-1989
16.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., हमीरखेड़ी	876/26-07-1989
17.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., कल्याणपुरा	382/20-08-1976
18.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., सेमलिया नसर	381/20-08-1976
19.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., सुन्दराबाद (तह. बड़नगर)	708/19-02-1985
20.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., निम्बोदा	438/11-05-1977
21.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., बागोदा (तहसील तराना)	694/31-01-1985
22.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., कनासिया	394/11-10-1976
23.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., गुनाखेड़ी	459/12-12-1979
24.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., सागोतीमाता (खाचरोद)	1057/08-06-1992

कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित कारणों का जवाब व्यक्तिगत सुनवाई हेतु नियत तिथि पर संस्थाओं की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ और ना ही कोई जवाब प्रस्तुत किया गया. सहायक पंजीयक (अंकेक्षण), सहकारी संस्थाएं, उज्जैन के द्वारा अवगत कराया गया है कि संस्थाएं अकार्यशील हैं एवं संस्थाओं द्वारा निर्वाचन नहीं करवाया गया है. उद्देश्यानुसार कार्य नहीं करना, स्पष्ट करता है कि संस्थाओं के पदाधिकारीगण संस्थाओं का संचालन करने में उदासीन है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (क/ग) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित संस्थाओं को परिसमापन में लाता हूँ तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत संस्थाओं के नाम के सम्मुख में उल्लेखित अधिकारियों को आगामी आदेश तक परिसमापक नियुक्त करता हूँ. परिसमापक तत्काल संस्थाओं का सम्पूर्ण चार्ज प्राप्त कर चार्ज लिस्ट दो प्रतियों में कार्यालय को प्रेषित करें एवं संस्थाओं के आस्तियों एवं दायित्वों का नियमानुसार निराकरण कर 3 माह में अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें:-

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापक का नाम व पद
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., उज्जैनिया, तह. घटिया	550/30-06-1981	श्री एस. के. मालवीय, सह. वि. अधि., घटिया

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., बमोरी	736/28-04-1986	श्री एस. के. मालवीय, सह. वि. अधि., घटिया
3.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., मीण	734/13-03-1986	„
4.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., रामगढ़	685/30-11-1984	„
5.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., कलेसर	552/30-06-1981	„
6.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., नजरपुर	497/30-09-1980	„
7.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., पंचेड़	80728-07-1988	„
8.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., नलवा	409/27-11-1976	„
9.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., महूड़ी (तहसील महिदपुर).	661/16-03-1984	श्री मुकेश जोशी, सह. वि. अधि., महिदपुर
10.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., खुरचनिया चंद्रभान	721/31-10-1985	„
11.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., मुण्डला परवल	788/28-03-1988	„
12.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., रोहिड़ा	794/29-04-1988	„
13.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., उपड़ीराव (तहसील उज्जैन)	1518/10-05-2000	श्री आर. एल. नागर, सह. वि. अधि., उज्जैन
14.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., खजूरिया	638/24-01-1984	„
15.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., लिम्बापिपल्या	875/26-07-1989	„
16.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., हमीरखेड़ी	876/26-07-1989	„
17.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., कल्याणपुरा	382/20-08-1976	„
18.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., सेमलिया नसर	381/20-08-1976	„
19.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., सुन्दराबाद (तह. बड़नगर)	708/19-02-1985	श्री एन. एस. कनेल, सह. वि. अधि., बड़नगर
20.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., निम्बोदा	438/11-05-1977	„
21.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., बागोदा (तहसील तराना)	694/31-01-1985	श्री आर. एस. मेहर, सह. वि. अधि., उज्जैन
22.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., कनासिया	394/11-10-1976	„
23.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., गुनाखेड़ी	459/12-12-1979	„
24.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., सागोतीमाता (खाचरोद)	1057/08-06-1992	श्री आर. एल. परमार, सह. वि. अधि., खाचरोद

यह आदेश आज दिनांक 01 मार्च, 2013 को कार्यालयीन मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया.

(25-V)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी/ग) के अन्तर्गत]

इस कार्यालय द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर निम्नलिखित संस्था को सूचित किया गया था कि क्यों न संस्था को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाये:-

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक
1.	डाक तार उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या. उज्जैन जिला उज्जैन.	185/13-03-1963

नियत समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब प्राप्त नहीं हुआ और न ही कोई भी उपस्थित हुआ. उपरोक्त संस्था अकार्यशील है एवं उद्देश्यानुसार कार्य नहीं करना, स्पष्ट करता है कि संस्था के पदाधिकारीगण संस्था का संचालन करने में उदासीन हैं.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (क/ग) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के

अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित संस्था को परिसमापन में लाता हूँ तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत संस्था के नाम के सम्मुख में उल्लेखित अधिकारी को आगामी आदेश तक परिसमापक नियुक्त करता हूँ. परिसमापक तत्काल संस्था का सम्पूर्ण चार्ज प्राप्त कर चार्ज लिस्ट दो प्रतियों में कार्यालय को प्रेषित करें एवं संस्था के आस्तियों एवं दायित्वों का नियमानुसार निराकरण कर 3 माह में अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें:—

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	परिसमापक का नाम व पद
1.	डाक तार उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या. उज्जैन जिला उज्जैन.	185/13-03-1963	श्री आर. एल. नागर, सह. निरी.

यह आदेश आज दिनांक 01 मार्च, 2013 को कार्यालयीन मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया.

(25-W)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी/ग) के अन्तर्गत]

इस कार्यालय द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर निम्नलिखित संस्थाओं को सूचित किया गया था कि क्यों न संस्थाओं को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाये:-

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक
1.	रामगढ़ बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., रामगढ़, तह. उज्जैन, जिला उज्जैन.	69/05-06-2004
2.	उज्जैननी बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., उज्जैन, तह. उज्जैन, जिला उज्जैन.	28/30-11-2002
3.	नवनीत बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., नरवर, तह. उज्जैन, जिला उज्जैन.	88/31-10-2007
4.	महालक्ष्मी बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., बलेड़ी, तह. उज्जैन, जिला उज्जैन.	27/30-11-2006
5.	सावरियाँ बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., घुड़ावन, तह. उज्जैन, जिला उज्जैन.	122/18-05-2010
6.	पटेल बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., चकरावदा, तह. घट्टिया, जिला उज्जैन.	87/26-09-2007

नियत समयावधि में कारण बताओ सूचना-पत्र का जवाब प्राप्त नहीं हुआ और न ही कोई भी उपस्थित हुआ. उपरोक्त संस्थाएं अकार्यशील हैं एवं उद्देश्यानुसार कार्य नहीं करना, स्पष्ट करता है कि संस्थाओं के पदाधिकारीगण संस्थाओं का संचालन करने में उदासीन हैं.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (क/ग) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित संस्थाओं को परिसमापन में लाता हूँ तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत संस्थाओं के नाम के सम्मुख में उल्लेखित अधिकारियों को आगामी आदेश तक परिसमापक नियुक्त करता हूँ. परिसमापक तत्काल संस्थाओं का सम्पूर्ण चार्ज प्राप्त कर चार्ज लिस्ट दो प्रतियों में कार्यालय को प्रेषित करें एवं संस्थाओं के आस्तियों एवं दायित्वों का नियमानुसार निराकरण कर 3 माह में अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें:—

क्रमांक (1)	संस्था का नाम (2)	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक (3)	परिसमापक का नाम व पद (4)
1.	रामगढ़ बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., रामगढ़, तह. उज्जैन, जिला उज्जैन.	69/05-06-2004	श्री आर. एल. नागर, सह. निरी. एवं सह. वि. अधि., तह. उज्जैन.

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	उज्जैन बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., उज्जैन, तह. उज्जैन, जिला उज्जैन.	28/30-11-2002	श्री आर. एल. नागर, सह. निरी. एवं सह. वि. अधि., तह. उज्जैन.
3.	नवनीत बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., नरवर, तह. उज्जैन, जिला उज्जैन.	88/31-10-2007	श्री आर. एल. नागर, सह. निरी. एवं सह. वि. अधि., तह. उज्जैन.
4.	महालक्ष्मी बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., बलेड़ी, तह. बड़नगर, जिला उज्जैन.	27/30-11-2006	श्री एन. एस. कनेल, सह. निरी. एवं सह. वि. अधि., तह. बड़नगर.
5.	सावरिया बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., घुड़ावन, तह. बड़नगर, जिला उज्जैन.	122/18-05-2010	श्री एन. एस. कनेल, सह. निरी. एवं सह. वि. अधि., तह. बड़नगर.
6.	पटेल बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., चकरावदा, तह. घट्टिया, जिला उज्जैन.	87/26-09-2007	श्री सुरेन्द्र मालवीय, सह. निरी. एवं सह. वि. अधि., तह. घट्टिया.

यह आदेश आज दिनांक 08 मार्च, 2013 को कार्यालयीन मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया.

(25-X)

उज्जैन, दिनांक 21 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) (सी/ग) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/2409.—इस कार्यालय द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा- 69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर निम्नलिखित संस्थाओं को सूचित किया गया था कि क्यों न संस्थाओं को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाये:-

क्रमांक	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक
1.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., दुबली, तह. तराना	392/11-10-1976
2.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., करंज, तह. तराना	489/06-09-1980
3.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., तोबरीखेड़ा, तह. तराना	487/25-08-1980
4.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., दिलोद्री, तह. तराना	676/29-05-1984
5.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., वरण्डवा, तह. तराना	470/28-08-1980
6.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., भेसौदा, तह. उज्जैन	442/06-07-1977
7.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., ताजपुर, तह. उज्जैन	396/11-10-1976
8.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., लसुड़िया मंसूर, तह. महिदपुर	560/30-06-1981
9.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., सुहागपुरा, तह. महिदपुर	627/19-12-1983
10.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., पिपलिया हर्जी, तह. महिदपुर	870/26-07-1989
11.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., जवासियां सोलंकी, तह. महिदपुर	867/26-07-1989
12.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., बागनी, तह. महिदपुर	804/28-07-1988
13.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., रूई, तह. घट्टिया	688/30-11-1984
14.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., कागदीकराड़िया, तह. घट्टिया	840/31-03-1989
15.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., बान्दका, तह. घट्टिया	853/26-07-1989
16.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., रलयताहेवत, तह. घट्टिया	632/19-12-1983

कारण बताओ सूचना-पत्र में उल्लेखित कारणों का जवाब व्यक्तिगत सुनवाई हेतु नियत तिथि तक संस्थाओं की ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ और ना ही कोई जवाब प्रस्तुत किया है. महाप्रबन्धक, सहकारी दुग्ध संघ मर्या., उज्जैन के द्वारा अवगत कराया गया है कि वर्तमान में संस्थाएं

अकार्यशील होकर विगत वर्षों से कार्य करना बन्द कर दिया है। उद्देश्यानुसार कार्य नहीं करना, स्पष्ट करता है कि संस्थाओं के पदाधिकारीगण संस्थाओं का संचालन करने में उदासीन है।

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69(2) (क/ग) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित संस्थाओं को परिसमापन में लाता हूँ तथा अधिनियम की धारा-70 (1) के अंतर्गत संस्थाओं के नाम के सम्मुख में उल्लेखित अधिकारियों को आगामी आदेश तक परिसमापक नियुक्त करता हूँ। परिसमापक तत्काल संस्थाओं का सम्पूर्ण चार्ज प्राप्त कर चार्ज लिस्ट दो प्रतियों में कार्यालय को प्रेषित करें एवं संस्थाओं के आस्तियों एवं दायित्वों का नियमानुसार निराकरण कर 3 माह में अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें:-

क्रमांक (1)	संस्था का नाम (2)	पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक (3)	परिसमापक का नाम व पद (4)
1.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., दुबली, तह. तराना	392/11-10-1976	श्री संतोष सांकलिया, सह. निरी.
2.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., करंज, तह. तराना	489/06-09-1980	श्री संतोष सांकलिया, सह. निरी.
3.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., तोबरीखेड़ा, तह. तराना	487/25-08-1980	श्री संतोष सांकलिया, सह. निरी.
4.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., दिलोद्री, तह. तराना	676/29-05-1984	श्री संतोष सांकलिया, सह. निरी.
5.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., वरण्डवा, तह. तराना	470/28-08-1980	श्री संतोष सांकलिया, सह. निरी.
6.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., भेसौदा, तह. उज्जैन	442/06-07-1977	श्री एच. एल. मंसौर, उप-अंके.
7.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., ताजपुर, तह. उज्जैन	396/11-10-1976	श्री एच. एल. मंसौर, उप-अंके.
8.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., लसुड़िया मंसूर, तह. महिदपुर	560/30-06-1981	श्री पुरुषोत्तम सोनी, उप-अंके.
9.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., सुहागपुरा, तह. महिदपुर	627/19-12-1983	श्री पुरुषोत्तम सोनी, उप-अंके.
10.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., पिपलिया हर्जी, तह. महिदपुर	870/26-07-1989	श्री पुरुषोत्तम सोनी, उप-अंके.
11.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., जवासियां सोलंकी, तह. महिदपुर	867/26-07-1989	श्री पुरुषोत्तम सोनी, उप-अंके.
12.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., बागनी, तह. महिदपुर	804/28-07-1988	श्री पुरुषोत्तम सोनी, उप-अंके.
13.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., रूई, तह. घट्टिया	688/30-11-1984	श्री डी. एस. बाल्के, व. स. नि.
14.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., कागदीकराड़िया, तह. घट्टिया	840/31-03-1989	श्री डी. एस. बाल्के, व. स. नि.
15.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., बान्दका, तह. घट्टिया	853/26-07-1989	श्री डी. एस. बाल्के, व. स. नि.
16.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., रलयताहेवत, तह. घट्टिया	632/19-12-1983	श्री डी. एस. बाल्के, व. स. नि.

यह आदेश आज दिनांक 21 अक्टूबर, 2013 को कार्यालयीन मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

(25-Y)

मनोज जायसवाल,
उप-पंजीयक.

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 01 जून, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेशानुसार मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:-

क्र. (1)	संस्था का नाम (2)	पंजीयन क्रमांक व दिनांक (3)	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक (4)
1.	भूमिहीन सामूहिक कृषि सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	401/28-11-76	146/28-01-2008

(1)	(2)	(3)	(4)
2.	भूमिहीन वनोपज क्रय-विक्रय सहकारी संस्था मर्यादित, माधोपुर	1105/07-06-94	261/06-02-2008
3.	क्रय-विक्रय सहकारी संस्था मर्यादित, खाचरोद	1207/10-08-94	261/06-02-2008
4.	रामी जनहित सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	367/03-05-72	261/06-02-2008
5.	जिज्ञोतिया समाज सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	334/03-05-72	271/06-02-2008
6.	कर्मचारी कल्याण साख सहकारी संस्था मर्यादित, नागदा	1386/08-03-95	271/06-02-2008
7.	अनुपम नागरिक साख सहकारी संस्था मर्यादित, नागदा	899/17-11-90	2445/31-12-2007
8.	क्षिप्रा तकनीकी कर्मचारी साख सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	1477/02-02-98	2445/31-12-2007
9.	लक्ष्मी नृसिंह साख सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	1483/03-06-98	146/28-01-2008
10.	विविध वस्त्र व्यवसायी सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	56/15-02-52	146/28-01-2008
11.	भवन निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	592/22-09-87	271/06-02-2008
12.	लिफ्ट सिंचन सहकारी संस्था मर्यादित, भीलसुड़ा	248/18-10-66	2445/31-12-2007
13.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, बिरयाखेड़ी	696/31-01-85	1355/27-06-2007
14.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पाड़सुतिया	1054/20-05-92	1884/25-07-2001
15.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, भीकमपुर	1053/25-07-01	1884/25-07-2001
16.	श्री हरि महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्यादित, लोहाना कुटी	48/13-05-03	623/22-04-2009
17.	आदर्श महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्यादित, खेड़ावदा	47/12-05-03	623/22-04-2009
18.	आनन्द महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्यादित, भेरूपचलाना	32/22-04-13	623/22-04-2009
19.	पार्श्वनाथ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	1590/09-05-02	1308/18-08-2011

अतः मैं, एस. एल. चौहान, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा।

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा करा कर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 01 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

एस. एल. चौहान,

परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक.

(26)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 06 मार्च, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी

संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेश के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	किसान वेयर हाउसिंग को. ऑप. सोसायटी मर्यादित, पचलासी तह. खाचरौद, जिला उज्जैन.	1580/31-07-2001	253/05-02-2013
2.	पूजा बीज उत्पादक विपणन भण्डारण एवं प्रक्रिया सहकारी संस्था मर्यादित, नागदा, जिला उज्जैन.	1705/31-07-2007	252/05-02-2013
3.	जनशक्ति बीज उत्पादक विपणन भण्डारण एवं प्रक्रिया सहकारी संस्था मर्यादित, नागदा, जिला उज्जैन.	1706/31-07-2007	267/05-02-2013
4.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कमठाना	608/06-06-1983	479/27-02-2013
5.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, आक्यानजीक	611/06-06-1983	479/27-02-2013
6.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, भुवाँसा	616/22-06-1983	479/27-02-2013
7.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पासलोद	617/22-06-1983	479/27-02-2013
8.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, बेड़ावन	621/14-12-1983	479/27-02-2013
9.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, धिनोँदा	691/30-11-1989	479/27-02-2013
10.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, मड़ावदा	692/08-01-1985	479/27-02-2013
11.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, चिरोला	693/08-01-1985	479/27-02-2013
12.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, बरखेड़ा	759/17-07-1985	479/27-02-2013
13.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, चापाखेड़ा	763/25-08-1985	479/27-02-2013
14.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, निपानिया	764/25-08-1987	479/27-02-2013
15.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, बरखेड़ामाँडन	821/17-12-1987	479/27-02-2013
16.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, झाँझाखेड़ी	739/22-10-1986	479/27-02-2013
17.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, रूपेटा	740/22-10-1986	479/27-02-2013
18.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, भाटीसूड़ा	757/02-07-1987	479/27-02-2013
19.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पचलासी	237/28-07-1986	479/27-02-2013
20.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, लेकोड़ा आंजना	1064/03-09-2002	479/27-02-2013

अतः मैं, आर. एल. परमार, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा करा कर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 06 मार्च, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 09 मई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परि./2013/519, उज्जैन, दिनांक 01 मार्च, 2013 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्था का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र.	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, सागोतीमाता खाचरौद	1057/08-06-1992	519/01-03-2013

अतः मैं, आर. एल. परमार, परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्था के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, श्रम शिविर, जिला इन्दौर में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्था के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इस समिति के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इस समिति की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इस समिति की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 09 मई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

(37) आर. एल. परमार,
परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी.

कार्यालय परिसमापक एवं अंकेक्षण अधिकारी, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 04 मार्च, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्था का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र.	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	प्रियदर्शिनी सहकारी पेढी मर्यादित, उज्जैन	743/14-11-1986	1026/21-05-2012

अतः मैं, एन. के. हकीम, परिसमापक एवं अंकेक्षण अधिकारी, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्था के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्था के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इस समिति के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इस समिति की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इस समिति की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 04 मार्च, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

(27)

एन. के. हकीम,

परिसमापक एवं अंकेक्षण अधिकारी.

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 26 फरवरी, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र.	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., मेंढकी, तहसील महिदपुर	855/26-07-89	1245/19-06-2012
2.	दुग्ध सहकारी संस्था मर्या., पलवा, तहसील महिदपुर	1500/27-07-80	1080/28-05-2012
3.	क्षिप्रा बीज सब्जी फल-फूल उत्पादक विपणन भण्डारण अनुसंधान एवं प्रक्रिया सहकारी संस्था मर्या., महिदपुर, तहसील महिदपुर.	1502/31-03-99	267-ए/05-02-2013
4.	प्रजापति उद्योग सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	562/30-11-56	3048/29-12-2012
5.	अवन्तिका ऊन उद्योग सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	69/04-01-61	3048/29-12-2012
6.	आदर्श अम्बर मण्डल सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	810/23-07-58	3048/29-12-2012
7.	गाँधी दलित कुम्हारी उद्योग सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	132/04-01-62	3048/29-12-2012
8.	झाड़ू टोकरा उद्योग सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	198/08-11-63	3048/29-12-2012

अतः मैं, मुकेश जोशी, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 26 फरवरी, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

(28)

उज्जैन, दिनांक 19 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परि./2009/623, उज्जैन, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र. (1)	संस्था का नाम (2)	पंजीयन क्रमांक व दिनांक (3)	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक (4)
1.	माँ हरसिद्धि महिला साख सहकारिता मर्यादित, उज्जैन	07/29-03-2001	623/22-04-2009
2.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., खुरचनिया चन्द्रभान	661/16-03-1984	519/01-03-2013
3.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., मुण्डला परवल	721/31-10-1985	519/01-03-2013
4.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., रोहिड़ा	788/28-03-1988	519/01-03-2013
5.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., उपड़ीराव	794/29-04-1988	519/01-03-2013

अतः मैं, मुकेश जोशी, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 19 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

मुकेश जोशी,

परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक.

(39)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 28 फरवरी, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र. (1)	नाम संस्था (2)	पंजीयन क्रमांक व दिनांक (3)	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक (4)
1.	आदर्श गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., कायथा	01/07-03-81	1794/25-11-2011
2.	एकता प्राथमिक सेनेटरी मार्ट सहकारी संस्था मर्यादित, कायथा	1544/09-03-81	1107/22-07-2009
3.	श्री दामोदर वंशीय सहकारी साख संस्था मर्या., उज्जैन	355/15-02-92	560/23-02-2010

(1)	(2)	(3)	(4)
4.	गंगामाता चर्मोद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, झीतरखेड़ी	184/25-05-64	3051/29-12-2012
5.	चर्मशोधक एवं चर्मकर्म सहकारी संस्था मर्यादित, ढाबलारेहवारी	153/05-09-62	3051/29-12-2012
6.	बहुउद्देशीय चर्मकार सहकारी संस्था मर्यादित, चन्देसरा	06/18-11-60	3051/29-12-2012
7.	चर्मोद्योग एवं चर्मकर्म सहकारी संस्था मर्यादित, फतेहाबाद	126/29-08-66	3051/29-12-2012
8.	चर्म उद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, लेकोड़ा	127/28-08-61	3051/29-12-2012
9.	चर्मकार सहकारी संस्था मर्यादित, लोहाना	148/30-04-62	3051/29-12-2012

अतः मैं, बी. एस. बक्तरिया, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्था के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 28 फरवरी, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

(29)

बी. एस. बक्तरिया,
परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक.

कार्यालय परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 28 फरवरी, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र.	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., नांदेड	572/	482/27-02-2013
2.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., नैनावद	583/04-06-83	482/27-02-2013
3.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., बघेरा	582/04-06-82	482/27-02-2013
4.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., डेलची	589/04-06-82	482/27-02-2013
5.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., सालाखेड़ी	594/23-10-82	482/27-02-2013
6.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., काठबडोदा	597/23-10-82	482/27-02-2013
7.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., बैलरी	622/14-12-83	482/27-02-2013
8.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., कनार्दी	742/27-02-86	482/27-02-2013
9.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., करंज	754/22-05-89	482/27-02-2013
10.	तिलहन सहकारी संस्था मर्या., कडोदिया	760/25-08-87	482/27-02-2013

अतः मैं, रघुवर पिपलाज, परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा।

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 28 फरवरी, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

रघुवर पिपलाज,

परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक।

(30)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेशानुसार मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	श्री महावीर साख सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	1096/06-06-04	2447/31-12-07	2044/03-09-10
2.	स्वर्णदीप साख सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	1496/28-01-99	2447/31-12-07	2044/03-09-10
3.	जागृति साख सहकारी संस्था मर्यादित, नागदा	1008/03-05-91	2447/31-12-07	2044/03-09-10
4.	श्रमिक कल्याण साख सहकारी संस्था मर्यादित, नागदा	1489/09-09-98	2447/31-12-07	2044/03-09-10
5.	दुग्ध उत्पादक साख सहकारी संस्था मर्यादित, लेकोड़िया टॉक	649/13-03-80	2447/31-12-07	2044/03-09-10
6.	द स्लेज फार्म सामूहिक कृषि सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन.	297/26-07-77	147/28-01-80	2044/03-09-10
7.	राईस सामूहिक कृषि सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	402/18-11-70	147/28-01-80	2044/03-09-10
8.	किक्का कुक्कुट पालन सहकारी संस्था मर्यादित, हताईपालकी	700/04-02-85	147/28-01-80	2044/03-09-10
9.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, रूनिजा	612/06-06-82	147/28-01-80	2044/03-09-10
10.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, बघेरा	399/11-10-76	1081/28-05-12	1081/28-05-12
11.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, रोजवास	472/25-08-80	1247/19-06-12	1247/19-06-12
12.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, गावड़ी	645/27-01-84	1244/19-06-12	1244/19-06-12
13.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, झुमकी	813/22-10-88	1357/27-06-07	2384/04-12-12
14.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पालखेड़ी	815/28-12-88	1352/27-06-07	2384/04-12-12
15.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, मंगरोला	417/30-09-85	1141/20-05-91	2384/04-12-12
16.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, नांदेड	477/25-08-80	1351/27-06-07	2384/04-12-12

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
17.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, देवली	651/13-03-84	1351/27-06-07	2384/04-12-12
18.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, लक्ष्मीपुरा	393/11-10-76	1351/27-06-07	2384/04-12-12
19.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कड़ोदिया	731/16-02-86	2766/29-12-08	2384/04-12-12
20.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, बिरगोद	655/16-03-84	1351/27-06-07	2384/04-12-12

अतः मैं, आर. एस. मेहर, सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/संस्था का कोई लेना-देना शेष हो तो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे/आपत्ति प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे/आपत्ति या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर उक्त संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु अंतिम प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जावेंगे।

यह भी सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति/सदस्यों/भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर मुझे प्रस्तुत करके रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों का उपरोक्त रिकार्ड होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 18 मार्च, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

(31)

उज्जैन, दिनांक 15 मार्च, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक 481, दिनांक 27 फरवरी, 2013 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में आने का आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, परसोली	510/29-09-1990	481/27-02-2013
2.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, छड़ावद	511/29-09-1990	481/27-02-2013
3.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, रूपाखेड़ी	512/29-09-1990	481/27-02-2013
4.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कायथा	513/29-09-1990	481/27-02-2013
5.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कनासिया	514/29-09-1990	481/27-02-2013
6.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, माकड़ोन	515/29-09-1990	481/27-02-2013
7.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, तिलावद	520/24-10-1980	481/27-02-2013
8.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, सुमराखेड़ा	521/24-10-1980	481/27-02-2013
9.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, ढाबलाहर्दू	523/24-10-1980	481/27-02-2013
10.	तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पाट	512/11-05-1981	481/27-02-2013

अतः मैं, आर. एस. मेहर, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि

उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 15 मार्च, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

आर. एस. मेहर,

(31-A)

परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक.

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 18 मार्च, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/556, उज्जैन, दिनांक 08 मार्च, 2013 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	महालक्ष्मी बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., बलेड़ी तह. बड़नगर, जिला उज्जैन.	27/30-11-2006	556/08-03-13
2.	सांवरिया बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., धुड़ावन तह. बड़नगर, जिला उज्जैन.	122/18-05-10	556/08-03-13
3.	अपना महिला बहुउद्देशीय सहकारिता, असलावदा	54/06-05-03	623/22-04-09
4.	राज महिला बहुउद्देशीय सहकारिता, भिड़ावद	38/12-05-03	623/22-04-09
5.	महिमा महिला बहुउद्देशीय सहकारिता, भीमाखेड़ा	66/10-12-03	623/22-04-09
6.	महालक्ष्मी महिला बहुउद्देशीय सहकारिता, घुड़ावल	57/16-06-03	623/22-04-09

अतः मैं, नरसिंह कनेल, सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय संयुक्त पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 18 मार्च, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

नरसिंह कनेल,

(32)

परिसमापक.

कार्यालय परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परिसमापन/623/उज्जैन, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:-

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	जगदीश महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित, बड़नगर	56/16-06-2003	623/22-04-2009
2.	श्राजेश्वरी महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित, बड़नगर	53/05-06-2003	623/22-04-2009
3.	स्वयंसेवी महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित, बड़नगर	41/12-05-2003	623/22-04-2009

अतः मैं, राजेश शेर, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय संयुक्त आयुक्त, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन संभाग, उज्जैन में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि में पेश होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा।

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा करा कर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 05 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

(33)

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परिसमापन/623/उज्जैन, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:-

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	ऋण मुक्तेश्वर वनखेतीहर सह. संस्था मर्या., गोन्सा (भेरूगढ़) उज्जैन	1676/10-06-05	1524/09-07-2013
2.	वनखेतीहर सह. संस्था मर्या., बुरानाबाद (पंचलासी)	387/25-03-95	1524/09-07-2013
3.	नाकोड़ा वनखेतीहर सह. संस्था मर्या., झारडा, तह. महिदपुर	396/22-05-95	1524/09-07-2013
4.	हरिओम वेयर हाउसिंग सह. संस्था मर्या., उज्जैन	1574/13-07-01	1524/09-07-2013
5.	पंडित दीनदयाल यातायात परिवहन सह. संस्था मर्या., उज्जैन	1671/13-04-2005	1524/09-07-2013

अतः मैं, राजेश शेर, उप-अंकेक्षक मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय संयुक्त आयुक्त, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन

संभाग, उज्जैन में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि में पेश होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा।

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा करा कर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 12 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

राजेश शेर,

परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक।

(43)

कार्यालय परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 14 जून, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेशानुसार मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	श्री बजरंग गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	124/04-03-1987	1107/22-07-2009	3082/22-11-2010
2.	राजपुत्र गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	1601/20-11-2002	1163/31-07-2009	3082/22-11-2010
3.	मंगलम गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, नागदा	1414/20-02-1996	1163/31-07-2009	3082/22-11-2010
4.	कर्मचारी नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	62/21-02-1979	1163/31-07-2009	3082/22-11-2010
5.	भारत सेवक गुड़ खाण्डसारी उद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, करोहन	73/10-02-1961	3866/17-07-1969	3045/29-12-2012
6.	उज्जैन गुड़ खाण्डसारी उद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, साहिबखेड़ी.	21/26-05-1966	7164/07-11-1964	3045/29-12-2012
7.	भारत सेवक गुड़ खाण्डसारी उद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, तुलाहेड़ा.	168/21-03-1963	1331/01-04-1971	3045/29-12-2012

अतः मैं, एन. के. राय, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/संस्था का कोई लेना-देना शेष हो तो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे/आपत्ति प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे/आपत्ति या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर उक्त संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु अंतिम प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जावेंगे।

यह भी सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति/सदस्यों/भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान अथवा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर मुझे प्रस्तुत करके रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों का उपरोक्त रिकार्ड होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 14 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

एन. के. राय,

परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक।

(34)

कार्यालय परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 22 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेशानुसार मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र. (1)	संस्था का नाम (2)	पंजीयन क्रमांक व दिनांक (3)	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक (4)	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक (5)
1.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, लसुडिया मंसूर, तहसील महिदपुर.	560/30-06-1981	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
2.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, सोहागपुरा, तहसील महिदपुर.	627/19-12-1983	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
3.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पिपल्या हर्जी, तहसील महिदपुर.	870/26-07-1989	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
4.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, जवासिया सोलंकी, तहसील महिदपुर.	867/26-07-1989	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
5.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, वागनी, तहसील महिदपुर.	804/28-07-1988	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013

अतः मैं, पुरुषोत्तम सोनी, उप-अंकेक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/संस्था का कोई लेना-देना शेष हो तो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे/आपत्ति प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे/आपत्ति या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर उक्त संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु अंतिम प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जावेंगे.

यह भी सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति/सदस्यों/भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान अथवा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर मुझे प्रस्तुत करके रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों का उपरोक्त रिकार्ड होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 22 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

(45)

उज्जैन, दिनांक 18 जून, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्था, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/स्वा./अंकेक्षण/2009/623, उज्जैन, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्था का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र. (1)	संस्था का नाम (2)	पंजीयन क्रमांक व दिनांक (3)	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक (4)
1.	तेजाजी महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मसवाड़िया, तहसील बड़नगर, जिला उज्जैन.	46/12-05-2003	623/22-04-2009

अतः मैं, पुरुषोत्तम सोनी, परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी-नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्था के विरुद्ध किसी का कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे/आपत्ति प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर उक्त संस्था के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इस समिति के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इस समिति की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इस समिति की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 18 जून, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

पुरुषोत्तम सोनी,

परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक.

(35)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 08 मई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परि./2012/2133, उज्जैन, दिनांक 273/06 फरवरी, 2008 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	दीनदयाल यातायात सहकारी संस्था मर्यादित, उज्जैन	1026/31-12-2001	273/06-02-2008
2.	भारत समाचार पत्र प्रकाशन एवं मुद्रण सहकारी संस्था, मर्यादित, उज्जैन	1036/24-02-2004	273/06-02-2008

अतः मैं, विनायक राजूरकर, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्था के विरुद्ध किसी का कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर उक्त संस्था के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इस समिति के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इस समिति की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इस समिति की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 08 मई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

विनायक राजूरकर,

परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक.

(36)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 24 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2012/3046/उज्जैन, दिनांक 29 दिसम्बर, 2012 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्रमांक	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)
1.	प्रभात चर्मकार सह. संस्था मर्या., बड़नगर	193/20-06-1955
2.	चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., अमला	154/22-09-1963
3.	चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., उन्हैल	196/18-10-1963
4.	चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., करनावद	189/15-07-1963
5.	रविदास चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., सागोनी माता	217/30-06-1964
6.	चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., नैनावद	170/13-02-1963
7.	चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., सालारखेड़ी	17/20-02-1960
8.	चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., माकड़ोन	211/25-06-1964
9.	चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., पचोला	199/12-11-1963
10.	चर्मकार सहकारी संस्था मर्या., रोहीड़ा	179/14-04-1963

अतः मैं, प्रदीप नाहटा, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा करा कर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी. जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सूचना आज दिनांक 24 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

(49)

उज्जैन, दिनांक 24 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2012/3054, उज्जैन, दिनांक 18 नवम्बर, 2010 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्था का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्रमांक	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)
1.	विजय गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन मध्यप्रदेश.	112/20-06-1960

अतः मैं, प्रदीप नाहटा, परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्था के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जानकारी संस्था के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा।

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इस समिति के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इस समिति की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा करा कर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इस समिति की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सूचना आज दिनांक 24 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

प्रदीप नाहटा,

परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक.

(38)

कार्यालय परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 16 अगस्त, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक 1785, दिनांक 25 नवम्बर, 2011 तथा आदेश क्रमांक 1482, दिनांक 03 जुलाई, 2013 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्रमांक	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)
1.	माँ वेष्णोदेवी सहकारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1606/14-01-2003
2.	आजाद इण्डस्ट्रीयल सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	904/19-03-1995
3.	अनुसूचित जाति ईट-भट्टा सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1101/24-05-1994
4.	दुर्गेश्वरी अगरवल्ली निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1666/09-06-2004

अतः मैं, व्ही. के. जोशी, उप-अंकेक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/संस्था का कोई लेना-देना शेष हो तो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे/आपत्ति प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें। उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे/आपत्ति या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर उक्त संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु अंतिम प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जावेंगे।

यह भी सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति/सदस्यों/भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान अथवा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर मुझे प्रस्तुत करके रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों का उपरोक्त रिकार्ड होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 16 अगस्त, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

व्ही. के. जोशी,

परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक.

(40)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 07 सितम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेशानुसार मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4	5
1.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., उपड़ीराव	1518/10-05-2000	519/01-03-2013	519/01-03-2013
2.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., खजुरिया	638/24-01-1984	519/01-03-2013	519/01-03-2013
3.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., लिम्बापिल्या	875/26-07-1989	519/01-03-2013	519/01-03-2013
4.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., हमीरखेड़ी	876/26-07-1989	519/01-03-2013	519/01-03-2013
5.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., कल्याणपुरा	382/20-08-1976	519/01-03-2013	519/01-03-2013
6.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., सेमल्यानसर	381/20-08-1976	519/01-03-2013	519/01-03-2013
7.	डाकतार उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., उज्जैन	185/13-03-1963	521/01-03-2013	521/01-03-2013
8.	रामगढ़ बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., रामगढ़	69/05-06-2004	556/08-03-2013	556/08-03-2013
9.	उज्जैननी बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., उज्जैन	28/30-11-2002	556/08-03-2013	556/08-03-2013
10.	नवनीत बीज उत्पादक एवं सहकारिता मर्या., नरवर	88/31-10-2007	556/08-03-2013	556/08-03-2013
11.	बीड़ी मजदूर कर्मचारी साख सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1370/17-11-1994	1048/09-05-2013	1048/09-05-2013
12.	हीरा मिल परस्पर साख सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	4090/17-12-1947	1046/11-04-1996	1791/25-11-2011
13.	विद्युत कर्मचारी परस्पर साख सहकारी संस्था मर्या., नगदा	1030/20-01-1992	2444/31-12-2007	1791/25-11-2011
14.	विक्रम गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	5/08-03-1960	348/19-09-1985	1791/25-11-2011
15.	पीतल पात्र निर्माण एवं औद्योगिक सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	617/19-12-1957	55/09-01-1996	1791/25-11-2011
16.	महिला जीवन विकास सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	53/18-10-1956	1078/28-05-2012	1078/28-05-2012
17.	नेहा प्रिंटिंग सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1504/24-04-1999	1311/26-06-2012	1311/26-06-2012
18.	अविन्तका साख सहकारिता मर्या., उज्जैन	2/29-12-2000	623/22-04-2009	623/22-04-2009
19.	कृषि धन बहुउद्देशीय स्वायत्त सहकारिता मर्या., उज्जैन	80/04-03-2006	623/22-04-2009	623/22-04-2009
20.	जय सुर्याय नमः साख सहकारिता मर्या., उज्जैन	21/28-03-2002	623/22-04-2009	623/22-04-2009
21.	श्री नाकोड़ा साख सहकारिता मर्या., उज्जैन	25/11-07-2002	623/22-04-2009	623/22-04-2009
22.	धनलक्ष्मी साख सहकारिता मर्या., उज्जैन	82/08-05-2006	623/22-04-2009	623/22-04-2009
23.	वसुन्धरा साख सहकारिता मर्या., उज्जैन	83/30-05-2006	623/22-04-2009	623/22-04-2009
24.	हितेपी साख सहकारिता मर्या., उज्जैन	68/30-01-2004	623/22-04-2009	623/22-04-2009
25.	समृद्धि साख सहकारिता मर्या., उज्जैन	12/13-07-2001	623/22-04-2009	623/22-04-2009

1	2	3	4	5
26.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., ताजपुर	497/09-09-1980	476/27-02-2013	476/27-02-2013
27.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., पंथपिपलई	491/09-09-1980	476/27-02-2013	476/27-02-2013
28.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., हरसोदन	493/09-09-1980	476/27-02-2013	476/27-02-2013
29.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., चन्देसरा	567/09-10-1981	476/27-02-2013	476/27-02-2013
30.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., चिन्तामण जवासिया	576/24-06-1981	476/27-02-2013	476/27-02-2013
31.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., नरवर	494/09-09-1980	476/27-02-2013	476/27-02-2013
32.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., करोहन	598/23-10-1982	476/27-02-2013	476/27-02-2013
33.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., भैंसोदा	600/19-02-1983	476/27-02-2013	476/27-02-2013
34.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., नलवा	620/03-12-1983	476/27-02-2013	476/27-02-2013
35.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., लेकोड़ा	635/19-12-1983	476/27-02-2013	476/27-02-2013
36.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., हमीरखेड़ी	637/19-12-1983	476/27-02-2013	476/27-02-2013
37.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., कचनारिया	718/15-10-1985	476/27-02-2013	476/27-02-2013
38.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., पिपल्याराघौ	1035/19-09-1992	476/27-02-2013	476/27-02-2013
39.	तिलहन उत्पादक सह. संस्था मर्या., ढाबलारेहवारी	574/24-10-1981	476/27-02-2013	476/27-02-2013

अतः मैं, आर. एल. नागर, सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/संस्था का कोई लेना-देना शेष हो तो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे/आपत्ति प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे/आपत्ति या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर उक्त संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु अंतिम प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जावेंगे.

यह भी सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति/सदस्यों/भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान अथवा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर मुझे प्रस्तुत करके रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों का उपरोक्त रिकार्ड होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 07 सितम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

(41)

आर. एल. नागर,
परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक.

कार्यालय परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 30 सितम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परिसमापन/623, उज्जैन, दिनांक 22 अप्रैल, 2009 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्रमांक (1)	नाम संस्था (2)	पंजीयन क्रमांक व दिनांक (3)
1.	रविन्द्र गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	46/14-03-1968

(1)	(2)	(3)
2.	मातृछाया गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	81/24-09-1981
3.	रेलवे कर्मचारी गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	95/14-11-1984
4.	बिजली कर्मचारी गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	104/09-08-1985
5.	केशव गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	42/18-09-1965
6.	तुलसी गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	1564/16-05-2001
7.	राजनंदनी गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	1694/30-12-2002
8.	गुरूनानक गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	10/19-08-1960
9.	विवेक गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	85/18-06-1982
10.	रत्नप्रभा गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	1463/30-08-1997
11.	पदमावती गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	1617/27-05-2003
12.	नित्यानंद गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	1491/18-09-1998
13.	नवीन गृह निर्माण सह. संस्था मर्या., उज्जैन	64/29-09-1979

अतः मैं, सुनील रघुवंशी, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय संयुक्त आयुक्त, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन सभाग उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 30 सितम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

(42) सुनील रघुवंशी,
परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक.

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 22 अक्टूबर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013-14/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेशानुसार मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4	5
1.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., दुबली, तहसील तराना.	392/11-10-1976	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013

1	2	3	4	5
2.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., करंज, तहसील तराना.	489/06-09-1980	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
3.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., तोबरीखेड़ा, तहसील तराना.	487/25-08-1980	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
4.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., दिलोद्री, तहसील तराना.	676/29-05-1984	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
5.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., बरण्डवा, तहसील तराना.	470/28-08-1980	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013

अतः मैं, संतोष साँकलिया, सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/संस्था का कोई लेना-देना शेष हो तो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे/आपत्ति प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे आपत्ति या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर उक्त संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु अंतिम प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जावेंगे.

यह भी सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति/सदस्यों/भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान अथवा रेकार्ड आदि हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर मुझे प्रस्तुत करके रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों का उपरोक्त रेकार्ड होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 22 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

(44)

संतोष साँकलिया,
परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक.

कार्यालय परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 22 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2013/1524, उज्जैन, दिनांक 09 जुलाई, 2013 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	जय कालभैरव वाल्मिकी सहकारी संस्था मर्या., घट्टिया, जिला उज्जैन	1536/29-10-2010	1524/09-07-2013
2.	महाकाल रेल्वे कान्ट्रेक्टर सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1575/26-07-2001	1524/09-07-2013
3.	फल, साग-सब्जी सहकारी संस्था मर्या., तराना, जिला उज्जैन	893/29-03-1990	1524/09-07-2013
4.	ईशान फल, साग-सब्जी सहकारी संस्था मर्या., जैथल, तहसील घट्टिया जिला उज्जैन.	1560/09-05-2001	1524/09-07-2013

1	2	3	4
5.	माँ चामुण्डा फल, साग-सब्जी विपणन एवं प्रक्रिया सहकारी संस्था मर्या. नागदा, जिला उज्जैन.	1501/27-03-1999	1524/09-07-2013
6.	माँ बीजासन कृषि उपज संग्रह विपणन एवं प्रक्रिया सहकारी संस्था मर्या. इन्दिरा नगर, उज्जैन.	1652/27-10-2004	1524/09-07-2013
7.	बिलकेश्वर महादेव संतरा उत्पादन विपणन प्रक्रिया सहकारी संस्था मर्या. तराना, जिला उज्जैन.	1711/06-02-2008	1524/09-07-2013
8.	श्री महाकाल कृषि उपज विपणन सहकारी संस्था मर्या., फ्रीगंज, उज्जैन	1524/04-08-2000	1524/09-07-2013
9.	उज्जैनिया कृषि विपणन भण्डारण प्रक्रिया सहकारी संस्था मर्या., उज्जैन	1562/10-05-2001	1524/09-07-2013

अतः मैं, प्रमोद बड़ोनिया, परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसकी दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 22 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

(46) प्रमोद बड़ोनिया,
परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक.

कार्यालय परिसमापक एवं वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 22 अक्टूबर, 2013/06 नवम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013-14/क्यू.—सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन के आदेशानुसार मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4	5
1.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., रूई, तहसील घट्टिया.	688/30-11-1984	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
2.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., कागदीकराड़िया, तहसील घट्टिया.	840/31-03-1989	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013

1	2	3	4	5
3.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., बान्दका, तहसील घट्टिया.	853/26-07-1989	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
4.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., रलायताहेवत, तहसील घट्टिया.	632/19-12-1983	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013

अतः मैं, डी. एस. बाल्के, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/संस्था का कोई लेना-देना शेष हो तो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे/आपत्ति प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे/आपत्ति या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु अंतिम प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जावेंगे.

यह भी सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति/सदस्यों/भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान अथवा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर मुझे प्रस्तुत करके रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों का उपरोक्त रिकार्ड होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 22 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

डी. एस. बाल्के,

परिसमापक एवं व. स. नि.

(47)

कार्यालय परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 06 नवम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेशानुसार मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	नाम संस्था	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक	परिसमापन में लाने का आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4	5
1.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., भैसोदा, तहसील उज्जैन.	442/06-07-1977	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013
2.	दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., ताजपुर, तहसील उज्जैन.	396/11-10-1976	2409/21-10-2013	2409/21-10-2013

अतः मैं, एच. एल. मंसोरे, उप-अंकेक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी भी व्यक्ति/संस्था का कोई लेना-देना शेष हो तो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 2 माह के अन्दर अपने दावे/आपत्ति प्रमाण सहित मुझे कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे/आपत्ति या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु अंतिम प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किये जावेंगे.

यह भी सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति/सदस्यों/भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान अथवा रेकार्ड आदि हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर मुझे प्रस्तुत करके रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों का उपरोक्त रेकार्ड होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा।

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 22 अक्टूबर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी।

एच. एल. मंसोरे,

परिसमापक एवं उप-अंकेक्षक.

(48)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारी निरीक्षक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 18 मार्च, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

सर्व-साधारण की जानकारी के लिये यह विज्ञप्ति प्रकाशित की जाती है कि कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिला उज्जैन के आदेश क्रमांक/परिसमापन/2012/1113, उज्जैन, दिनांक 01 जून, 2012 के द्वारा मुझे निम्नलिखित सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक व दिनांक
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री शिव महिला साख सहकारिता, बड़नगर	—	1113/01-06-2012
2.	मालपुरा महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्या., मालपुरा, तह. बड़नगर	—	1113/01-06-2012
3.	शिवम महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्या., भोलाखेड़ी, तह. बड़नगर	—	1113/01-06-2012
4.	श्रीराम महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्या., मुण्डला, तह. बड़नगर	—	1113/01-06-2012
5.	श्री महिमा साख स्वायत्त सहकारिता मर्या., बड़नगर	—	1113/01-06-2012
6.	इंदिरा प्रियदर्शनी महिला बहुउद्देशीय सहकारिता मर्या., भाटपचलाना, तह. बड़नगर	—	1113/01-06-2012
7.	महालक्ष्मी महिला बहुउद्देशीय स्वा. सहकारिता मर्या., घुड़ावल, तह. बड़नगर	—	1113/01-06-2012

अतः मैं, नरसिंह कनेल, सहकारी निरीक्षक, मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-71 एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अनुसार सर्व-साधारण की जानकारी के लिए सूचना-पत्र प्रकाशित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं के विरुद्ध किसी का भी कोई लेना-देना निकल रहा हो वे इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के दो माह के अन्दर अपने दावे प्रमाण सहित मुझे कार्यालय संयुक्त पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, उज्जैन, जिला उज्जैन में प्रस्तुत करें. उक्त अवधि में पेश न होने वाले दावे या स्वत्व के संबंध में बाद में कोई सुनवाई नहीं होगी तथा जो भी रिकार्ड उपलब्ध होगा उसके अनुसार ही कार्यवाही की जाकर संस्थाओं के पंजीयन निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को भेज दिया जावेगा.

यह भी प्रकाशित किया जाता है कि किसी व्यक्ति के पास इन समितियों के सदस्यों या भूतपूर्व पदाधिकारियों के पास इन समितियों की कोई लेखा पुस्तकें, रोकड़, चल-अचल सम्पत्तियों या अन्य कोई भी सामान तथा रिकार्ड आदि हो तो इस सूचना प्रकाशित होने के एक माह के अन्दर उक्त वर्णित कार्यालय में जमा कराकर रसीद प्राप्त करें अन्यथा निश्चित अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी व्यक्ति के पास इन समितियों की उपरोक्त चीजें होने की जानकारी मिली तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी, जिसका दायित्व उसका स्वयं का होगा.

यह सम्यक् सूचना आज दिनांक 18 मार्च, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी की गयी.

नरसिंह कनेल,

परिसमापक.

(32-A)



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 05]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 31 जनवरी 2014-माघ 11, शके 1935

भाग 3 (2)

सांख्यिकीय सूचनाएं

कार्यालय आयुक्त, भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश

मौसम, फसल एवं पशु-स्थिति का साप्ताहिक प्रतिवेदन, सप्ताहान्त बुधवार, दिनांक 02 अक्टूबर, 2013

1. मौसम एवं वर्षा.—राज्य में इस सप्ताह आकाश मेघाच्छादित रहा है तथा राज्य के अधिकांश जिलों में वर्षा का होना पाया गया है.—

(अ) 0.1 मि. मी. से 17.4 मि. मी. तक.—तहसील पोरसा (मुँरैना), विजयपुर (श्योपुर), ग्वालियर (ग्वालियर), पोहरी (शिवपुरी), गुना (गुना), टीकमगढ़, ओरछा (टीकमगढ़), लवकुशनगर (छतरपुर), बीना, बण्डा, रहली, देवरी, शाहगढ़ (सागर), रघुराजनगर, मझगवां, अमरपाटन (सतना), हजूर, गुढ़ (रीवा), बांधवगढ़, मानपुर (उमरिया), मझौली, रामपुरनैकिन (सीधी), सुबासराटप्पा, गरोठ, कयामपुर, मंदसौर, संजीत (मंदसौर), महिदपुर, बड़नगर (उज्जैन), जोबट, सोण्डवा (अलीराजपुर), बदनावर, कुक्षी, गंधवानी, डही (धार), ठीकरी, राजपुर, सेंधवा, निवाली (बड़वानी), नेपालनगर (बुरहानपुर), खिलचीपुर, व्यावरा, सारंगपुर (राजगढ़), गैरतगंज, बेगमगंज, बरेली, सिलवानी, बाड़ी (रायसेन), भैसदेही, बैतूल, आमला (बैतूल), सीहोरा, जबलपुर, कुण्डम (जबलपुर), कटनी, रीठी, ढीमरखेड़ा (कटनी), नैनपुर (मण्डला), छिन्दवाड़ा, जामई, पांढरणा, अमरवाड़ा, चौरई, हरई (छिन्दवाड़ा), कुरई, घंसोर (सिवनी), बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी (बालाघाट) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

(ब) 17.5 मि. मी. से 34.9 मि. मी. तक.—तहसील आरोन (गुना), निवाड़ी, पृथ्वीपुर, (टीकमगढ़), बिजावर (छतरपुर), केसली (सागर), हनुमना, रामपुर-कर्चुलियान (रीवा), जेतहरी, अनूपपुर, पुष्परजगढ़, (अनूपपुर), पाली (उमरिया), सिंहावल, कुसमी (सीधी), मल्हारगढ़, सीतामऊ, धुन्धड़का (मंदसौर), झाबुआ (झाबुआ), धार, मनावर, धरमपुरी (धार), बड़वानी, पानसेमल (बड़वानी), बुरहानपुर (बुरहानपुर), चिचौली, आठनेर (बैतूल), बरही (कटनी), मण्डला (मण्डला), डिण्डोरी (डिण्डोरी), सोंसर, बिछुआ (छिन्दवाड़ा), सिवनी, बरघाट (सिवनी), लांजी, (बालाघाट) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

(स) 35.0 मि. मी. से 53.1 मि. मी. तक.—तहसील बक्साह (छतरपुर), सागर, गढ़ाकोटा (सागर), त्योंथर (रीवा), कोतमा (अनूपपुर), गोपदवनास (सीधी), खाचरौद, नागदा (उज्जैन), सरदारपुर (धार), बहोरीबंद (कटनी), निवास, नारायणगंज (मण्डला), बैहर (बालाघाट) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

(द) 53.2 मि. मी. से 244.9 मि. मी. तक.—तहसील शिवपुरी, कोलारस (शिवपुरी), बिछिया, घुघरी (मण्डला) में उक्त मि. मी. के अन्तर्गत वर्षा हुई है.

2. **जुताई.**—जिला श्योपुर, ग्वालियर, सतना, रीवा, अनूपपुर, उमरिया, सीधी, सिंगरौली, मंदसौर, झाबुआ, राजगढ़, भोपाल, सीहोर, डिण्डोरी व जिला सिवनी में जुताई का कार्य कहीं-कहीं चालू है.
3. **बोनी.**—जिला श्योपुर, ग्वालियर, रीवा, मंदसौर में बोनी का कार्य कहीं-कहीं चालू है.
4. **फसल स्थिति.**—जिला सागर में अतिवृष्टि से सोयाबीन फसलें व बड़वानी में अतिवृष्टि से फसलें प्रभावित हुई हैं एवं अलीराजपुर में अधिक वर्षा होने से उड़द की फसल 10 प्रतिशत से 15 प्रतिशत कहीं-कहीं नुकसान हुआ है.
5. **कटाई.**—जिला धार, भोपाल, हरदा, सिवनी में फसल सोयाबीन व हरदा बैतूल में खरीफ फसलों की कटाई का कार्य कहीं-कहीं चालू है.
6. **सिंचाई.**—जिला ग्वालियर में सिंचाई हेतु पानी कहीं-कहीं अपर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.
7. **पशुओं की स्थिति.**—राज्य के प्रायः सभी जिलों में पशुओं की स्थिति संतोषप्रद है.
8. **चारा.**—राज्य के प्रायः सभी जिलों में चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.
9. **बीज.**—राज्य के प्रायः सभी जिलों में बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.
10. **खेतिहर श्रमिक.**—राज्य के प्रायः सभी जिलों में खेतिहर श्रमिक पर्याप्त संख्या व उचित दर पर उपलब्ध हैं.

मौसम, फसल तथा पशु-स्थिति का साप्ताहिक सूचना-पत्रक, सप्ताहांत बुधवार, दिनांक 02 अक्टूबर, 2013

जिला/तहसीलें	1.सप्ताह में हुई वर्षा :- (अ) वर्षा का माप (मि.मी.) में (ब) वर्षा कम है या बहुत अधिक.	2. कृषि कार्यों की प्रगति तथा उन पर वर्षा का प्रभाव:- (अ) प्रारम्भिक जुताई पर. (ब) बोनी पर. (स) रोपाई पर, अगर धान की रोपाई होती हो. (द) खड़ी फसल पर, रोग व कीड़ों के आक्रमण के असर का वर्णन सहित. (य) कटी हुई फसल पर.	3. अन्य असामयिक घटना और उसका फसलों पर प्रभाव. 4. खड़ी फसल का व्यापक रूप से अनुमान, गत वर्ष की तुलना में :- (1) फसल का क्षेत्रफल - (अ) अधिक, समान या कम. (ब) प्रतिशत. (2) फसल की हालत- (अ) सुधरी हुई, समान या बिगड़ी हुई. (ब) प्रतिशत.	5. सिंचाई के लिये पानी (कम अथवा अधिक). 6. पशुओं की हालत तथा चारे की प्राप्ति.	7. बीज की प्राप्ति. 8. कृषि-सम्बन्धी मजदूरों की प्राप्ति.
1	2	3	4	5	6
जिला मुरैना : 1. अम्बाह 2. पोरसा 3. मुरैना 4. जौरा 5. सबलगाढ़ 6. कैलारस	मिलीमीटर .. 1.0	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
जिला श्योपुर : 1. श्योपुर 2. कराहल 3. विजयपुर	मिलीमीटर 1.0	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) ज्वार, बाजरा, मूँगफली, कपास, गन्ना, तिल, धान, सोयाबीन, उड़द, मूँग, तुअर समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला भिण्ड : 1. अटेर 2. भिण्ड 3. गोहद 4. मेहगांव 5. लहार 6. मिहोना 7. रौन	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) ज्वार, बाजरा, तिल. (2) ..	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला ग्वालियर : 1. ग्वालियर 2. डबरा 3. भितरवार 4. घाटीगांव	मिलीमीटर 0.2	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गन्ना, मूँगमोठ, तुअर, मूँगफली, तिल अधिक. उड़द कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला दतिया : 1. सेवड़ा 2. दतिया 3. भाण्डेर	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) ज्वार, बाजरा, मक्का, मूँगफली, उड़द, सोयाबीन, धान, मूँग, तिल, तुअर, दरारी. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
जिला शिवपुरी : 1. शिवपुरी 2. पिछोर 3. खनियाधाना 4. नरवर 5. करैरा 6. कोलारस 7. पोहरी 8. बदरवास	मिलीमीटर 91.0 89.0 5.0 ..	2. ..	3. .. 4. (1) गन्ना, मूँगफली, सोयाबीन अधिक. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.

1	2	3	4	5	6
जिला अशोकनगर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. ..
1. मुंगावली	..		4. (1) सोयाबीन अधिक. उड़द, मक्का, गन्ना कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. ईसागढ़	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. अशोकनगर	..				
4. चन्देरी	..				
5. शाढौरा	..				
जिला गुना :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. गुना	0.9		4. (1) सोयाबीन, ज्वार, मक्का समान.	6. संतोषप्रद.	8. ..
2. राघौगढ़	..		(2)	
3. बमोरी	..				
4. आरोन	2.6				
5. चाचौड़ा	..				
6. कुम्भराज	..				
जिला टीकमगढ़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. निवाड़ी	25.0		4. (1) धान, ज्वार, मक्का, सोयाबीन, तिल, मूंगफली, गन्ना, तुअर समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पृथ्वीपुर	32.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. जतारा	..				
4. टीकमगढ़	3.0				
5. बल्देवगढ़	..				
6. पलेरा	..				
7. ओरछा	11.0				
जिला छतरपुर :	मिलीमीटर	2. ...	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. लवकुशनगर	9.0		4. (1) ज्वार, अरहर अधिक. तिल कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. गौरीहार	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. नौगांव	..				
4. छतरपुर	4.0				
5. राजनगर	..				
6. बिजावर	22.0				
7. बड़ामलहरा	..				
8. बक्सवाहा	41.4				
*जिला पन्ना :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. अजयगढ़	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. पन्ना	..		(2) ..		
3. गुन्नौर	..				
4. पवई	..				
5. शाहनगर	..				
जिला सागर :	मिलीमीटर	2. अतिवृष्टि से सोयाबीन फसलें प्रभावित हुई हैं.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बीना	2.2		4. (1) धान, ज्वार, मक्का, कोदों-कुटकी, उड़द, मूंग, अरहर, तिल, मूंगफली, सोयाबीन समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. खुरई	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बण्डा	8.2				
4. सागर	46.5				
5. रेहली	8.0				
6. देवरी	6.0				
7. गढ़ाकोटा	35.0				
8. राहतगढ़	..				
9. केसली	23.0				
10. शाहगढ़	15.0				
11. मालथोन	..				

1	2	3	4	5	6
जिला दमोह :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, ज्वार, मक्का, तुअर, तिल, सोयाबीन, उड़द, मूँग समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. हटा	..				
2. बटियागढ़	..				
3. दमोह	..				
4. पथरिया	..				
5. जवेरा	..				
6. तेन्दूखेड़ा	..				
7. पटेरा	..				
जिला सतना :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) धान, सोयाबीन, उड़द, मूँग, तुअर अधिक. कोदों-कुटकी, ज्वार, तिल समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. .. 8. पर्याप्त.
1. रघुराजनगर	4.4				
2. मझगाँवां	12.0				
3. रामपुर-बघेलान	..				
4. नागौद	..				
5. उचेहरा	..				
6. अमरपाटन	5.0				
7. रामनगर	..				
8. मैहर	..				
9. बिरसिंहपुर	..				
जिला रीवा :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) अरहर, धान, ज्वार, सोयाबीन, मूँग, उड़द, तिल समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. त्योंथर	52.0				
2. सिरमौर	..				
3. मऊगंज	..				
4. हनुमना	18.1				
5. हजूर	8.4				
6. गुढ़	4.0				
7. रायपुरकुर्लियान	30.0				
*जिला शहडोल :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. ... 6. ..	7. ... 8. ..
1. सोहागपुर	..				
2. ब्यौहारी	..				
3. जैसिंहनगर	..				
4. जैतपुर	..				
5. बुढार	..				
6. गोहपारू	..				
जिला अनूपपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) मक्का, धान अधिक. कोदों, सोयाबीन, उड़द, तिल समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जैतहरी	20.1				
2. अनूपपुर	29.1				
3. कोतमा	36.8				
4. पुष्पराजगढ़	34.9				
जिला उमरिया :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, ज्वार, मक्का, कोदों-कुटकी, तुअर, उड़द, सोयाबीन, तिल, रामतिल अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. ... 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बांधवगढ़	3.8				
2. पाली	20.0				
3. मानपुर	9.0				

1	2	3	4	5	6
जिला सीधी :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. ..	5. ..	7. ..
1. गोपदवनास	52.5		4. (1) मक्का, ज्वार, धान, कोदों-कुटकी, तिल, तुअर, मूँग, उड़द समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. सिंहावल	31.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. मझौली	7.0				
4. कुसमी	33.0				
5. चुरहट	..				
6. रामपुरनैकिन	13.6				
जिला सिंगरौली :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. चितरंगी	..		4. (1) मक्का, धान, तुअर अधिक. ज्वार, मूँग, उड़द, कोदों समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. देवसर	..		(2) ..		
3. सिंगरौली	..				
जिला मन्दसौर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सुवासरा-टप्पा	2.0		4. (1) सोयाबीन अधिक. मक्का कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. भानपुरा	..		(2) ..		
3. मल्हारगढ़	31.0				
4. गरोठ	4.8				
5. कयामपुर	5.2				
6. मन्दसौर	10.0				
7. शामगढ़	..				
8. सीतामऊ	18.6				
9. धुन्धड़का	21.0				
10. संजीत	9.0				
जिला नीमच :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. जावद	..		4. (1) सोयाबीन, मक्का, तिल अधिक. मूँगफली कम. उड़द तुअर समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. नीमच	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. मनासा	..				
*जिला रतलाम :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. जावरा	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. आलोट	..		(2) ..		
3. सैलाना	..				
4. बाजना	..				
5. पिपलौदा	..				
6. रतलाम	..				
जिला उज्जैन :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. खाचरौद	52.0		4. (1) सोयाबीन, मक्का समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. महिदपुर	11.0		(2) ..		
3. तराना	..				
4. घटिया	..				
5. उज्जैन	..				
6. बड़नगर	8.6				
7. नागदा	39.0				
जिला शाजापुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. मो. बड़ोदिया	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. शाजापुर	..		(2) ..		
3. शुजालपुर	..				
4. कालापिपल	..				
5. गुलाना	..				

1	2	3	4	5	6
जिला देवास :	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) तुअर, उड़द, मूँगमोठ, गन्ना अधिक. कपास, मूँगफली कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोनकच्छ	..				
2. टोंकखुर्द	..				
3. देवास	..				
4. बागली	..				
5. कन्नौद	..				
6. खातेगांव	..				
जिला झाबुआ :	मिलीमीटर	2. रबी मौसम की जुताई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) सोयाबीन, मूँगफली, तुअर, धान अधिक. मक्का कम. कपास समान. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. थानदला	..				
2. मेघनगर	..				
3. पेटलावद	..				
4. झाबुआ	27.0				
5. राणापुर	..				
जिला अलीराजपुर :	मिलीमीटर	2. उड़द की फसल अधिक वर्षा होने से 10% से 15% नुकसान हुआ है.	3. . . 4. (1) मक्का, ज्वार, बाजरा, धान, मूँगफली, सोयाबीन, उड़द समान. कपास कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. . . 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. . . 8. . .
1. जोवट	10.8				
2. अलीराजपुर	..				
3. सोण्डवा	2.0				
4. च.शे.आ. नगर	..				
5. कट्टीवाड़ा	..				
जिला धार :	मिलीमीटर	2. सोयाबीन की फसल की कटाई चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) सोयाबीन, कपास, मक्का अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. . . 8. पर्याप्त.
1. बदनावर	8.0				
2. सरदारपुर	35.2				
3. धार	28.6				
4. कुक्षी	11.2				
5. मनावर	25.0				
6. धरमपुरी	33.0				
7. गंधवानी	13.0				
8. डही	16.0				
जिला इन्दौर :	मिलीमीटर	2. . .	3. . . 4. (1) . . (2) . .	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. देपालपुर	..				
2. सांवेर	..				
3. इन्दौर	..				
4. महु	..				
(डॉ. अम्बेडकरनगर)					
जिला प. निमाड :	मिलीमीटर	2. . .	3. . . 4. (1) ज्वार, मक्का, धान, बाजरा, कपास मूँगफली, तुअर समान. (2) . .	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बड़वाह	..				
2. सनावद	..				
3. महेश्वर	..				
4. सेगांव	..				
5. करही	..				
6. खरगौन	..				
7. गोगावां	..				
8. कसरावद	..				
9. मुल्ठान	..				
10. भगवानपुरा	..				
11. भीकनगांव	..				
12. झिरन्या	..				

1	2	3	4	5	6
जिला बड़वानी :	मिलीमीटर	2. अतिवृष्टि से फसल को नुकसान हुआ है.	3. .. 4. (1) गन्ना अधिक. सोयाबीन, मक्का समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. ..
1. बड़वानी	25.2				
2. ठीकरी	17.0				
3. राजपुर	15.0				
4. सेंधवा	5.0				
5. पानसेमल	30.0				
6. पाटी	..				
7. निवाली	3.0				
*जिला पूर्णिया :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. खण्डवा	..				
2. पंधाना	..				
3. हरसूद	..				
जिला बुरहानपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) कपास, मूँगफली, तुअर समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बुरहानपुर	23.2				
2. खकनार	..				
3. नेपालगर	14.0				
जिला राजगढ़ :	मिलीमीटर	2. रबी फसल के लिए जुताई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) सोयाबीन, मूँगफली अधिक. गन्ना, ज्वार, तुअर, मक्का समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जीरापुर	..				
2. खिलचीपुर	6.0				
3. राजगढ़	..				
4. ब्यावरा	6.4				
5. सारंगपुर	15.3				
6. नरसिंहगढ़	..				
*जिला विदिशा :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. लटेरी	..				
2. सिरोंज	..				
3. कुरवाई	..				
4. बासौदा	..				
5. नटेरन	..				
6. विदिशा	..				
7. ग्यारसपुर	..				
जिला भोपाल :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं सोयाबीन फसल की कटाई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) सोयाबीन अधिक. मक्का, मूँगफली, गन्ना, तुअर कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बैरसिया	..				
2. हुजूर	..				
जिला सीहोर :	मिलीमीटर	2. रबी की फसल की जुताई का कार्य चालू है.	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, ..	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सीहोर	..				
2. आष्टा	..				
3. इछावर	..				
4. नसरुल्लागंज	..				
5. बुधनी	..				

1	2	3	4	5	6
जिला रायसेन :	मिलीमीटर	2. . .	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. रायसेन	..		4. (1) धान, ज्वार, मक्का, अरहर, मूँग, सोयाबीन, मूँगफली, तिल, उड़द, सन.	6. संतोषप्रद, ..	8. पर्याप्त.
2. गैरतगंज	9.2		(2) ..		
3. बेगमगंज	1.0				
4. गोहरगंज	..				
5. बरेली	10.0				
6. सिलवानी	3.4				
7. बाड़ी	4.5				
8. उदयपुरा	..				
जिला बैतूल :	मिलीमीटर	2. खरीफ फसलों की कटाई का कार्य चालू है.	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. भैसदेही	2.8		4. (1) सोयाबीन, मक्का, ज्वार अधिक.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. घोड़ाडोंगरी	..		(2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.		
3. शाहपुर	..				
4. चिचोली	26.5				
5. बैतूल	3.4				
6. मुलताई	..				
7. आठनेर	33.3				
8. आमला	5.0				
जिला होशंगाबाद :	मिलीमीटर	2. . .	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सिवनी-मालवा	..		4. (1) मूँगमोट, उड़द, तुअर समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. होशंगाबाद	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बाबई	..				
4. इटारसी	..				
5. सोहागपुर	..				
6. पिपरिया	..				
7. वनखेड़ी	..				
8. पचमढ़ी	..				
जिला हरदा :	मिलीमीटर	2. सोयाबीन की कटाई का कार्य चालू है.	3. . .	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. हरदा	..		4. (1) सोयाबीन बिगड़ी हुई.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. खिड़किया	..		(2) ..		
3. टिमरनी	..				
जिला जबलपुर :	मिलीमीटर	2. . .	3. . .	5. पर्याप्त.	7. . .
1. सीहोरा	10.8		4. (1) धान, उड़द, सोयाबीन, तिल समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पाटन	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. जबलपुर	1.8				
4. मझौली	..				
5. कुण्डम	3.0				
जिला कटनी :	मिलीमीटर	2. फसल की कटाई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. कटनी	1.8		4. (1) धान, मक्का, तिल, सोयाबीन, राहर, कोदों, उड़द समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. रीठी	5.0		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. विजयराघवगढ़	..				
4. बहोरीबंद	41.2				
5. ढीमरखेड़ा	5.0				
6. बरही	22.0				
7. बड़वारा	..				

1	2	3	4	5	6
*जिला नरसिंहपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. गाडरवारा	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. करेली	..		(2) ..		
3. नरसिंहपुर	..				
4. गोटेगांव	..				
5. तेन्दूखेड़ा	..				
जिला मण्डला :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. निवास	46.5		4. (1) धान, मक्का, कोदों, तुअर, तिल, सन सुधरी हुई.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. बिछिया	57.3		(2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.		
3. नैनपुर	5.6				
4. मण्डला	17.8				
5. घुघरी	58.1				
6. नारायणगंज	38.0				
जिला डिण्डोरी :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. ..	5. ..	7. पर्याप्त.
1. डिण्डोरी	18.0		4. (1) धान, मक्का, सोयाबीन, उड़द, राहर, कोदों-कुटकी, तिल, जगनी समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. शाहपुरा	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
जिला छिन्दवाड़ा :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. छिन्दवाड़ा	3.2		4. (1) ..	6. संतोषप्रद, ..	8. पर्याप्त.
2. जुन्नारदेव	..		(2) ..		
3. परासिया	..				
4. जामई (तामिया)	2.0				
5. सोंसर	25.4				
6. पांडुर्णा	8.4				
7. अमरवाड़ा	2.4				
8. चौरई	15.6				
9. बिछुआ	28.4				
10. मोहखेड़ा	..				
11. हरई	3.4				
जिला सिवनी :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं सोयाबीन की कटाई कार्य चालू है.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सिवनी	20.8		4. (1) धान, मक्का, तुअर, तिल, रामतिल, गन्ना अधिक. ज्वार, बाजरा, कोदों-कुटकी, उड़द, सोयाबीन, सन कम. मूँग, मूँगफली समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. केवलारी	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. लखनादौन	..				
4. बरघाट	23.3				
5. कुरई	7.0				
6. घंसीर	14.0				
7. घनोरा	..				
8. छपारा	..				
जिला बालाघाट :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बालाघाट	13.3		4. (1) ..	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. लाँजी	30.2		(2) ..		
3. बैहर	40.0				
4. वारासिवनी	2.0				
5. कटंगी	17.1				
6. किरनापुर	..				

टीप.— *जिला पन्ना, शहडोल, रतलाम, पूर्व निमाड़, विदिशा, नरसिंहपुर से पत्रक अप्राप्त रहे हैं.

राजीव रंजन,

आयुक्त,

भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश.

(58)